दैनिक साँध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
वर्ष 53/ अंक 125/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, मंगलवार 12 दिसंबर 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

मोदी-शाह व नड्डा की मौजूदगी में शपथ लेंगे मोहन यादव

भोपाल के लालपरेड मैदान में शपथ समारोह कल, तैयारियां जोरों पर, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल। मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव बुधवार को दोपहर 12 बजे पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाले समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई केंद्रीय मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला डिप्टी सीएम के रूप में शपथ लेंगे। संभावना है कि कुछ और मंत्री भी शपथ ले सकते हैं।

सोमवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से मोहन यादव को विधायक दल का नेता चुना गया है। शिवराज सिंह ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका सभी विधायकों ने समर्थन किया। मोहन यादव उज्जैन दक्षिण से विधायक हैं। वे ओबीसी वर्ग से आते हैं। संघ के करीबी हैं। मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी चल रही है। यहां डोम बनाया जा रहा है, जिसमें 2000 लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। मंच पर दो दर्जन वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। अतिथियों के लिए लाल परेड मैदान में तीन हेलीपैड बनाए जा रहे हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा और महामंत्री हितानंद लाल परेड मैदान पहुंचे और उन्होंने शपथ ग्रहण की तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर मंत्री विश्वास सारंग, विधायक भगवानदास सबनानी, रामेश्वर शर्मा, जिला भाजपा अध्यक्ष सुमित पचौरी आदि मौजूद रहे।

मुख्य सचिव-डीजीपी ने की सीएम से मुलाकात

मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मिलने भोपाल के वीआईपी गेस्ट हाउस में नेताओं के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी पहुंच रहे हैं। प्रदेश की मुख्य सचिव वीरा राणा और डीजीपी सुधीर सक्सेना भी वीआईपी गेस्ट हाउस पहुंचे। अपर मुख्य सचिव गृह डॉ राजेश राजौरा सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी नए मुख्यमंत्री से मिले।

मोहन यादव से मिले कमल नाथ

मंगलवार सुबह पूर्व सीएम और कांग्रेस नेता कमलनाथ भाजपा द्वारा मनोनीत सीएम मोहन यादव से मिलने के लिए पहुंचे। मुलाकात के बाद कमलनाथ ने कहा कि मैं उन्हें बधाई देने आया था, मैंने उनसे कहा कि मध्यप्रदेश के विकास के लिए जो हमारा योगदान होगा वे हम करेंगे। विपक्ष में रहकर हम जनता को अधिकार की रक्षा करेंगे।

जनता की सेवा की दिशा में करेंगे काम

मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री मनोनीत होने पर मंगलवार सुबह मोहन यादव ने कहा, मैं भाजपा का एक सामान्य कार्यकर्ता हूं। मैंने इस जिम्मेदारी को सेवक की तरह लिया है। जनता की सेवा की दिशा में काम करेंगे। कल शपथ ग्रहण समारोह होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ इसमें शामिल होंगे, इसी की तैयारी कर रहे हैं।

अच्छी योजनाएं जारी रहेंगी

मुख्यमंत्री बनते ही सीएम मोहन यादव ने शिवराज सरकार की सबसे महत्वकांक्षी योजना लाड़ली बहना योजना को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि जो अच्छी योजनाएं होंगी, उन्हें जारी रखा जाएगा। आज मीडिया ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से पूछा की क्या वह सरकार संभालने के बाद लाडली बहना योजना को जारी रखेंगे या नहीं तो मोहन यादव ने कहा की मैं देखूंगा, कि योजना चलेगी या नहीं जो अच्छी योजनाएं होंगे उसे हम जारी रखेंगे। मोहन यादव के इस जबाव के बाद से माना जा रहा है कि लाडली बहना योजना को जारी रखने को लेकर सरकार की स्थिति फ़िलहाल स्पष्ट नहीं हैं।

मंत्रिमंडल में दिखेगा अनुभवी-युवा चेहरों का संतुलन

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री और दो डिप्टी सीएम का ऐलान होने के बाद अब भाजपा ने नई सरकार के गठन की कवायद शुरू कर दी है। मंत्रिमंडल में कौन होगा, इसे लेकर भी चर्चा का दौर चल रहा है। मंत्रिमंडल को लेकर भाजपा का फॉर्मूला रहा है- जातीय व क्षेत्रीय समीकरण का संतुलन। पार्टी सूत्र बताते हैं इस बार फॉर्मूला बदल सकता है। मंत्रिमंडल में अनुभवी मंत्रियों के साथ नए चेहरे व महिलाओं की भागीदारी का बैलेंस होगा। फिलहाल मुख्यमंत्री ओबीसी, दो डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा (एससी) और राजेंद्र शुक्ला (सामान्य) को बनाकर भाजपा ने तीन वर्गों का संतुलन बनाया है। इस बार 33 में से 31 मंत्री चुनाव मैदान में उतरे थे। इसमें से 19 जीते हैं। इनमें से कितने चेहरे रिपीट होंगे? पार्टी सूत्रों के मुताबिक इसका फैसला परफॉर्मेंस के आधार पर होगा। इसके साथ ही जातीय समीकरण और क्षेत्रीय संतुलन का भी ध्यान रखा जाएगा। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी का कहना है कि मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 35 सदस्य वाले नए मंत्रिमंडल के चेहरे पूरी तरह से केंद्रीय नेतृत्व पर निर्भर करेंगे। केंद्रीय स्तर पर इस पर चर्चा शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि फिलहाल एक छोटा मंत्रिमंडल रहेगा। जिसमें 12 से 15 मंत्री हो सकते हैं। जिसका विस्तार लोकसभा चुनाव के बाद किया जा सकता है। भोपाल से पिछली सरकार में सिर्फ विश्वास सारंग मंत्री थे। उनके अलावा तीसरी बार जीतने वाले रामेश्वर शर्मा भी मंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। हालांकि तीसरी बार जीते विष्णु खत्री का एससी और दूसरी बार जीतीं कृष्णा गौर का महिला कोटे से दावा मजबूत माना जा रहा है।

शिवराज से लिपटकर रोईं लाड़ली बहनें

चौहान बोले- कुछ मांगने से बेहतर मैं मरना पसंद करुंगा

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने के बाद आज कई लाडली बहनें मुख्यमंत्री निवास पहुंची और शिवराज सिंह चौहान से लिपट कर रोने लगीं। शिवराज भी भावुक हो गए। उन्होंने बहनों के सिर पर हाथ फेरा और कहा, वे उनकी मदद के लिए आगे भी मौजूद रहेंगे। निवास पर शिवराज ने मीडिया से कहा, मैं मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री मोहन यादव और दोनों उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा व राजेंद्र शुक्ला को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। उनका अभिनंदन करता हूं। शिवराज ने कहा, विश्वास है कि मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा सरकार जो काम चल रहे हैं, उन्हें पूरा करेगी। प्रगति की दृष्टि से मध्यप्रदेश नई ऊंचाइयां छुएगा। मैं सदैव उनको सहयोग करता रहूंगा। आज मेरे मन में एक संतोष का भाव है। 2003 में उमा जी के नेतृत्व में भारी बहुमत से भाजपा सरकार बनी थी। तिरंगा वाले प्रकरण में उन्होंने पद छोड़ा था, फिर गौर साहब और फिर मैं सीएम बना। शिवराज ने कहा कुछ मांगने से बेहतर मैं मरना पसंद करुंगा।

नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भोपाल के 5 नंबर में स्थित हनुमान मंदिर में आज मंगलवार को दर्शन पूजन कर पताका लगाया। श्री शुक्ल ने प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि की प्रार्थना की।

नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को उनके निवास पहुंचकर स्वागत किया।

मोहन यादव मंगलवार को नरोत्तम मिश्रा के निवास पर पहुंचे। नरोत्तम ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

जनप्रतिनिधियों कार्यकर्ताओं और परिचितों ने लालघाटी स्थित वीआईपी विश्रामगृह पहुंचकर बधाई और शुभकामनाएं दी । उज्जैन नगर पालिक निगम के महापौर मुकेश टटवाल, उज्जैन विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल तथा भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक जोशी के साथ उज्जैन से बड़ी संख्या में आए जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने 11 किलो का पुष्पहार व पगड़ी पहनाकर तथा शाल भेंट कर नवनियुक्त मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का अभिवादन किया। बड़ी संख्या में पुष्प गुच्छ भी भेंट किए गए।

राजस्थान के नए मुख्यमंत्री का नाम आज तय होगा

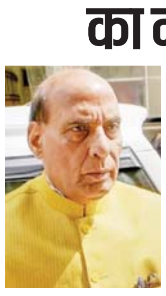

जयपुर। राजस्थान को आज नए मुख्यमंत्री का नाम मिल जाएगा। भाजपा विधायक दल की बैठक आज शाम 4 बजे प्रदेश मुख्यालय में होगी। इस बैठक में नए सीएम के नाम का ऐलान होगा।

राजस्थान के लिए पर्यवेक्षक बनाए गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा सांसद सरोज पांडे और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े थोड़ी देर में जयपुर पहुंच रहे हैं। राजनाथ सिंह नए मुख्यमंत्री का नाम लेकर आ रहे हैं। इधर, भाजपा के प्रदेश कार्यालय में विधायकों का पहुंचना शुरू हो गया है। सभी विधायक मुख्यमंत्री के सवाल पर बोलने से बच रहे हैं। प्रदेश कार्यालय के जिस हॉल में विधायक दल की बैठक होगी, उसके मंच पर लगाए गए पोस्टर से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का चेहरा गायब है।

डॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के पीछे की कहानी

भोपाल। उज्जैन के विधायक मोहन यादव के मुख्यमंत्री घोषित होने के बाद अब इस बात की खोजबीन होने लगी है कि आखिर मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाए जाने के पीछे क्या कारण रहा! पांच दिग्गज नेताओं को हाशिए पर रखकर इस ओबीसी नेता में ऐसी क्या खासियत थी, कि पार्टी ने उन्हें यह जिम्मेदारी दी? इस सवाल का कोई एक जवाब नहीं हो सकता, पर जानकारियां बताती है कि इस नेता को कमान सौंपे जाने के पीछे भाजपा की रणनीति है। बहुत सोच विचार के बाद मोहन यादव का नाम तय किया गया है।

मुख्यमंत्री की दौड़ में शिवराज सिंह चौहान के अलावा चार बड़े नेता ऐसे थे, जिनमें से किसी एक को मुख्यमंत्री बनाया जाना लगभग तय माना जा रहा था। सारे अनुमान भी उन्हीं के आसपास घूम रहे थे। लेकिन, अचानक मोहन यादव को मुख्यमंत्री घोषित कर दिया गया और वह भी पूरी औपचारिकता के साथ। बकायदा विधायक दल की बैठक हुई। केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने सभी विधायकों से बात की। विधायकों ने किसका नाम बताया, यह तो सामने नहीं आया न कभी आएगा।

उनके नाम का इशारा पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से पर्यवेक्षकों को मिल चुका था और पर्यवेक्षकों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से उनके नाम का प्रस्ताव रखवाकर इस बात की घोषणा की। वास्तव में मोहन यादव के नाम की घोषणा के पीछे भाजपा हाईकमान की लोकसभा चुनाव से जुड़ी रणनीति देखी जा रही है। पार्टी को लोकसभा चुनाव में यूपी और बिहार में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतना है और यही कारण है की मोहन यादव को सामने लाया गया।

दो बार दिल्ली होकर आए- अब भले ही उनके नाम के चयन पर अचरज व्यक्त किया जा रहा हो, पर उन्हें दिल्ली बुलाया गया था। उन्हें चुनाव प्रचार के लिए तेलंगाना भेजा गया था, तब वे दिल्ली से वरिष्ठ नेताओं से मिलकर लौटे थे। नतीजे आने के बाद फिर 6 दिसंबर को दिल्ली बुलाया गया था। तब यह इशारा नहीं था, कि उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। उनकी मुलाकात पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से हुई थी। इसके बाद भी स्पष्ट नहीं था कि उन्हें विधायक दल का नेता चुना जाएगा। उन्हें भी इसका अहसास नहीं था। सोमवार को तो मंत्री के तौर मिला उन्हें मिला शासकीय वाहन भी वापस बुलवा लिया गया था। फिर वे अन्य शासकीय वाहन से प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचे थे।

नेपाली बाबा के परम शिष्य- मोहन यादव रामनगरी के प्रख्यात संत एवं रामघाट स्थित सीताराम आश्रम के संस्थापक स्वामी आत्मानंददास उर्फ नेपाली बाबा के शिष्य हैं। 2016 में उज्जैन में कुंभ के दौरान नेपाली बाबा के 'राम नाम जप महायज्ञ' के वे मुख्य यजमान भी रह चुके हैं। बाबा ने तभी उन्हें मुख्यमंत्री होने का आशीर्वाद दिया था, जो फलीभूत हुआ।

ओबीसी वर्ग का फ़ायदा मिलेगा

ये सवाल भी उठ रहा है कि मोहन यादव में किस क्षमता को देखते हुए उन्हें मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी दी गई? सवाल सही भी है क्योंकि उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए उन्हें इस तरह तो पार्टी ने परखा नहीं होगा, फिर कैसे उनका नाम भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की आंख में आया? वास्तव में इसका एक ही कारण बताया जा रहा है कि पार्टी लोकसभा चुनाव में संयुक्त विपक्ष के ढ्हष्ठद्ब गठबंधन को पटखनी देना चाहती है। पार्टी की कोशिश उत्तरप्रदेश और बिहार की सवा सौ लोकसभा सीटों में से ज्यादा से ज्यादा सीट जीतने की है। मोहन यादव को मौका दिए जाने से यूपी में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और बिहार की जेडीयू/आरजेडी को झटका लगेगा। मध्यप्रदेश की तो ज्यादातर लोकसभा सीटें भाजपा के पास हैं। महाराष्ट्र में भी मोहन यादव के नाम की भुनाया जा सकेगा। कुल मिलाकर उस नेता का नाम भविष्य की राजनीतिक तैयारी को देखते हुए चुना गया है।

सीमांकन के लंबित प्रकरणों का शीघ्र करें निराकरण: कलेक्टर

समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कलेक्टर आशीष सिंह ने जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में निर्देश देते हुए बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा'' में नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में कैम्प लगाकर केन्द्र सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं संबंधी लक्षित और पात्र लाभार्थियों को आवश्यक सुविधाएँ सुलभ कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया जायेगा। इसके अंतर्गत जिले के नगरीय क्षेत्रों में 14 दिसंबर से एवं ग्रामीण क्षेत्र में 18 दिसंबर से यह यात्रा प्रारंभ होगी। कलेक्टर श्री सिंह ने यात्रा के संबंध में विभिन्न निर्देश कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान दिये । बैठक मे नगर निगम आयुक्त फ्रेंक नोबल, सीईओ जिला पंचायत ऋतुराज सिंह, एडीएम हरेन्द्र नारायण, एडीएम प्रकाश सिंह, एडीएम भूपेन्द्र गोयल सहित सभी अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर सिंह ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम स्थलों पर स्वास्थ्य शिविर लगाये जायेंगे। इनमें सामान्य जाँच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम स्थलों पर प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के हितग्राहियों के आवेदन भी प्राप्त किये जायेंगे। ऐसे किसान, पशुपालक, मछुआरे, जिनके पास क्रेडिट कार्ड नहीं हैं, उनके आवेदन लेने और संबंधित बैंकों से समन्वय कर क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने की कार्यवाही भी की जायेगी। कैम्प में आधार कार्ड के अपडेशन का कार्य और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ भी वितरित किया जायेगा। इसी के साथ यात्रा के दौरान कार्यक्रम स्थलों पर लगाये गये कैम्प में पेंशन योजनाओं के स्टॉल भी लगाये जायेंगे। इसमें वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांगजन पेंशन की जानकारी देने के साथ ही प्रकरणों के निराकरण की कार्यवाही भी की जायेगी। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को यात्रा के दौरान उनसे संबंधित तैयारियों को पूर्ण रखने के निर्देश दिये।

इसी के साथ कलेक्टर ने बैठक में राजस्व अधिकारियों को सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण तेज़ी से करने के निर्देश दिये साथ ही सभी राजस्व अधिकारियों को उनके न्यायालयों में नियमित सुनवाई कर पेंडेंसी कम करने के निर्देश भी दिये।

नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री मोहन यादव से विनय दादलानी के लम्बे समय से हैं गहरे रिश्ते

मुख्यमंत्री बनने की घोषणा होने पर समर्थकों के साथ मनाया जश्न

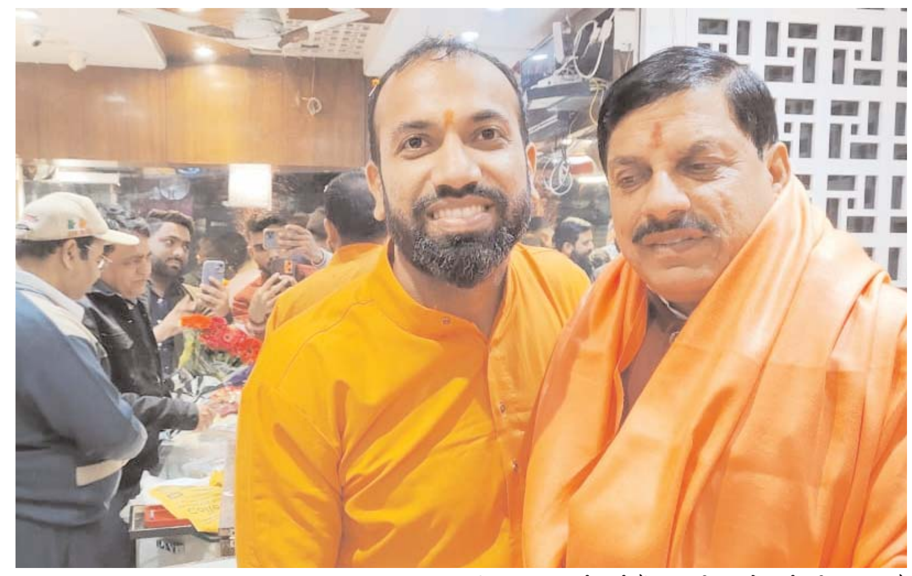

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री मोहन यादव के भाजपा नेता विनय दादलानी से गहरे रिश्ते हैं। श्री मोहन यादव ने 5 दिसम्बर को संत हिरदाराम नगर में विनय दादलानी के जन्म दिवस पर पहुंचकर उन्हें बधाई दी थी। विनय दादलानी ने समर्थकों के साथ पटाखे फोड़े एवं मिठाईयां बांटी। विनय दादलानी भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता हैं, उनकी ज्वेलर्स की दुकान है और उज्जैन के भाजपा विधायक मोहन यादव जो अब प्रदेश के मुख्यमंत्री बन गए हैं, लम्बे समय से घनिष्ठता है तथा एक दूसरे के यहां आना जाना लगा रहता है। मोहन यादव के सीएम बनने के बाद विनय दादलानी के प्रतिष्ठान पर लोग पहुंचने लगे और उन्हें बधाईयां देने लगे। विनय दादलानी ने बताया कि उनकी मोहन यादव के लम्बे समय से घनिष्ठता है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए आय सीमा 8 लाख

भोपाल। अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए आय सीमा 6 लाख से बढ़ा कर 8 लाख रूपये किये जाने और अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृति मानविकी विषयों के लिए भी दिए जाने का प्रावधान किया गया है। अशासकीय संस्थाओं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के विदयार्थियों की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की वार्षिक आय सीमा 8 लाख रूपये किये जाने की सहमति प्रदान की गई। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा शासकीय वित्त पोषित शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए आय सीमा का बंधन समाप्त किया गया है। आय सीमा में वृद्धि से अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने के व्यापक अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

मातृ वंदना योजना गर्भवती माताओं के लिए फायदेमंद

भोपाल। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना मजदूरी करने वाली गर्भवती महिलाओं को मजदूरी के नुकसान की भरपाई करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा लागू की गई है। मातृत्व वंदना योजना में मजदूरी करने वाली गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने की वाली माताओं के स्वास्थ्य में सुधार और उनकों नगदी प्रोत्साहन के माध्यम से अधीन पोषण के प्रभाव को कम करना है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को पहले जीवित बच्चें के जन्म के दौरान लाभ मिलेगा होगा। योजना के लाभ की राशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थी के बैंक खाते में स्थानांतरित की जाती है। योजना में गर्भवती महिलाओं को पहली किस्त के रूप में एक हजार रूपए पंजीकरण के समय दी जाती है। दूसरी किस्त दो हजार रूपए 6 माह की गर्भवास्था के बाद और तीसरी किस्त बच्चे का जन्म के बाद इस प्रकार कुल 5 हजार रूपए की आर्थिक सहायता गर्भवती महिलाओं को दी जाती है। बच्चें को बीसीजी, ओपीवी, डीपीटी और हेपेटाइटिस-बी सहित टीके नि:शुल्क लगाए जाते हैं।केन्द्रीय और राज्य सरकार या किसी सार्वजनिक उपक्रम में नियमित रोजगार में है वे किसी अन्य योजना या कानून के तहत समान लाभ प्राप्त करती है।

संत रविदास स्वरोजगार योजना, अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं के लिए लाभ दायक

भोपाल। अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित संत रविदास स्वरोजगार योजना अन्तर्गत नवीन उद्यमों की स्थापना के लिए अनुसूचित जाति वर्ग के आवेदको की अर्हता एवं वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। योजना के तहत उद्योग (विनिर्माण) इकाई के लिए एक लाख से 50.00 लाख तक की परियोजाएं और सेवा (सर्विस) इकाई एवं खुदरा व्यवसाय (रिटेल ट्रेड) के लिए रू. एक लाख से 25.00 लाख तक की परियोजाए संचालित हैं। आवेदक अनुसूचित जाति वर्ग का सदस्य हो। जिले का मूल निवासी हो एवं आयु 18 से 45 वर्ष तक शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8 वी कक्षा उत्तीर्ण एवं वार्षिक आय रूपये 12.00 लाख से अधिक न हो। परिवार से आशय: आवेदक के अविवाहित होने पर आवेदक स्वयं एवं उसके माता पिता से है, जिन पर वह आश्रित है, अथवा आवेदक के विवाहित होने पर पति/पत्नि एवं आश्रित बच्चों है। आवेदक स्वंय किसी बैंक आथवा किसी वित्तीय संस्था से डिफाल्टर न हो। आवेदक वर्तमान में राज्य अथवा केन्द्र शासन की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का हितग्राही न हो । योजनांतर्गत ब्याज अनुदान अनुसूचित जाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित,शेष ऋण पर 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से अधिकतम 7 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जावेगा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा ग्यारंटी फीस देय होगी। योजनांतर्गत प्रशिक्षण के इच्छुक हितग्राही 12 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण ऑनलाईन ट्रेनिंग मोडयूल के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगें। उद्योग (विनिर्माण), सेवा एवं व्यवसाय क्षेत्र की समस्त परियोजनाए जो सीजीटीएमएसई अंतर्गत बैंक ऋण गारंटी के लिए पात्र हैं। विभाग द्वारा शासकीय योजनाओं के लिए निर्माणाधीन के माध्यम आवेदन किया जावेगा। योजना से संबंधित और अधिक जानकारी हेतु कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकरी विकास समिति से कार्यालयीन समय में सम्पर्क किया जा सकता है। योजनाऐं अनुसूचित जाति वर्ग के आवेदकों के लिए है।

भोपाल। आज 10 नंबर मार्केट में विशेष सफाई अभियान चलाया एवंम निरीक्षण किया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य आर के सिंह बघेल, पार्षद शिखा गोहल एवं मार्केट व्यापारीगण उपस्थित रहे ।

मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना का लाभ लेने की अपील

भोपाल । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना लागू की गई है। योजना का उद्देश्य किसी भी प्रकार हिंसा से पीड़ित महिलाओं को पारिवारिक सहायता नहीं मिलती और जीवन यापन करने के सभी रास्ते बंद हो जाते है ऐसी कठिन परिस्थितियों के लिए महिलाओं को परिवार एवं समाज में पुर्नस्थापित होने के लिए विशेष सहयोग की आवश्यकता होती है। किसी भी पीड़ित महिला को आत्म निर्भरता का बढ़ावा देने के लिए कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोड़ा जाने से स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार का भी भरण-पोषण कर सकती है। मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना में विपत्तिग्रस्त, पीड़ित, असहाय, निराक्षित आपात स्थिति में महिलाओं की सहायता करना, पीड़ित महिला को पुर्नस्थापित करना, महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना, महिलाओं को आत्म निर्भर बनाना, महिला का सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक स्तर बढ़ाना और महिलाओं को आत्म निर्भर बनाते हुए समाज की मुख्यधारा में पुर्नस्थापित करना योजना का मुख्य उद्देश्य है। योजना जिले में ग्राम आगनबाड़ी स्तर तक की महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है।

डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी, रोग की जांच और उपचार मुफ्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मच्छरजनित बीमारियों से बचाव के लिए जिले में निरंतर जन-जागरूगता कार्य किया जा रहा है। मच्छरजनित बीमारियों में मलेरिया सबसे प्रचलित बीमारी है। यह बीमारी मादा एनाफिलीज़ मच्छर के काटने से होती है। ठंड लगकर बुखार आना मलेरिया का प्रमुख लक्षण हैं । मलेरिया की जांच एवं दवाईयां सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में नि:शुल्क प्रदान की जाती है। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं से संपर्क कर भी जांच करवाई जा सकती है। मलेरिया के इलाज के लिए प्रमाणिक एवं सुरक्षित दवाएं उपलब्ध हैं।

मच्छरों से होने वाली बीमारी डेंगू की पहचान सही समय पर ना किये जाने पर घातक रूप ले सकती है। यह बीमारी एडीज मच्छर के काटने से फेलती है। जब कोई एडीज मच्छर डेंगू के किसी रोगी को काटता है तो वह उस रोगी का खून चूसता है। खून के साथ डेंगू वायरस भी मच्छर के शरीर में प्रवेश कर जाता है। मच्छर के शरीर में डेंगू वायरस का कुछ और दिनों तक विकास होता है। जब डेंगू वायरस युक्त मच्छर किसी अन्य स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो वह डेंगू वायरस को उस व्यक्ति के शरीर में पहुँचा देता है। इस प्रकार वह व्यक्ति डेंगू वायरस से संक्रमित हो जाता है तथा कुछ दिनों के बाद उसमें डेंगू बुखार रोग के लक्षण प्रकट हो सकते हैं। जिस दिन डेंगू वायरस से संक्रमित कोई मच्छर किसी व्यक्ति को काटता है तो उसके लगभग 3-5 दिनों बाद ऐसे व्यक्ति में डेंगू बुखार के लक्षण प्रकट हो सकते हैं। यह संक्रामक काल 3-10 दिनों तक भी हो सकता है।

डेंगू बुखार के लक्षण: लक्षण इस बात पर निर्भर है कि डेंगू बुखार किस प्रकार का है। डेंगू बुखार तीन प्रकार के होते हैं। साधारण डेंगू बुखार, डेंगू हेनरेजिक बुखार, डेंगू शॉक सिन्ड्रोम, यदि डेंगू हेमरेजिक बुखार, डेंगू शॉक सिन्ड्रोम का तुरन्त उपचार शुरू नहीं किया जाता है तो वे जानलेवा सिद्ध हो सकते हैं। चिकिनगुनिया भी एडिज मच्छर से होने वाली बीमारी है। इस बीमारी के लिए लाक्षणिक उपचार प्रदान किया जाता है। मच्छर को पनपने से रोकना एवं मच्छरों से स्वयं को बचाना इन बीमारियों से बचने का सबसे आसान उपाय है। पानी के भराव को रोकना, आसपास के परिवेश में स्वच्छता का निर्माण, मच्छरदानी का उपयोग इत्यादि बेहद सरल उपाय हैं जो कि मच्छरों से एवं उनसे होने वाली बीमारियों से बचाव कर सकता है।

नगरीय निकायों में स्वच्छता को लेकर दो दिवसीय विशेष अभियान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल सहित सभी नगरीय निकायों में स्वच्छता और सौंदर्यीकरण का दो दिवसीय विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास विभाग श्री नीरज मंडलोई ने इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शहरों में घरों से कचरे का एकत्रीकरण और उसका डिस्पोजल निर्धारित स्थानों पर सुनिश्चित करें। भोपाल में आज सोमवार से ही यह अभियान शुरू हो चुका है। मंडलोई ने निर्देशित किया है कि शहर में कहीं भी गंदगी नहीं दिखनी चाहिये। आवश्यकता अनुसार रंग-रोगन भी करायें। सड़कों एवं नालियों की सफाई सुनिश्चित करें। नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करें। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भरत यादव मंगलवार को इस अभियान की सतत समीक्षा करेंगे। आज नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने सफाई अभियान में हिस्सा लिया।

शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिये चिकित्सा शिक्षा में 5 फीसदी आरक्षण

भोपाल। शासकीय विद्यालय के विद्यार्थी को सभी शासकीय एवं निजी महाविद्यालय में एमबीबीएस एवं बीडीएस के लिये स्वीकृत कुल सीट्स में से 5 प्रतिशत सीट्स आरक्षित की गई हैं। महिला अभ्यर्थी को सभी महाविद्यालयों में सभी पाठ्यक्रम में 30 प्रतिशत आरक्षण, दिव्यांग अभ्यर्थी को सभी महाविद्यालयों में सभी पाठ्यक्रम में 5 प्रतिशत तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अभ्यर्थी और सैनिक अभ्यर्थी को केवल शासकीय महाविद्यालय में एमबीबीएस एवं बीडीएस के लिये कुल सीट्स का 3-3 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। प्रवर्ग एवं शासकीय विद्यालय के विद्यार्थी शामिल हैं। इसी प्रकार जोड़े गये उप-नियम अनुसार शासकीय विद्यालय से अभिप्रेत है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों में ऐसे विद्यार्थी, जिन्होंने शासकीय विद्यालय में कक्षा-6 से 12 वीं तक नियमित अध्ययन कर परीक्षा उत्तीर्ण की हो अथवा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के माध्यम से प्रवेश के आधार पर कक्षा-1 से 8 तक निजी विद्यालयों में अध्ययन करने के बाद शासकीय विद्यालय में कक्षा-9 से 12वीं तक नियमित अध्ययन कर परीक्षा उत्तीर्ण हो, को शामिल किया गया है। संशोधन नियमानुसार स्नातक पाठ्यक्रम (एमबीबीएस/बीडीएस) के लिये शासकीय विद्यालय विद्यार्थी प्रवर्ग से प्रवेश के लिये अभ्यर्थी को संबंधित विभाग के जिला शिक्षाधिकारी/जिला संयोजक/सहायक आयुक्त द्वारा जारी किये गये, इस आशय के प्रमाण-पत्र को मूल प्रति में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा कि अभ्यर्थी नियम-2 ब की अपेक्षा पूर्ण करता है।

जीवन वृत्त - राजेन्द्र शुक्ल

जन्म वर्ष 03.08.1964

वर्ष 1986 में इंजीनियरिंग कॉलेज, रीवा (म.प्र) से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की। इस दौरान वर्ष 1985-86 में इंजीनियरिंग कॉलेज, रीवा के छात्रसंघ के अध्यक्ष भी निर्वाचित हुए।

वर्ष 1998 में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की तथा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बनाए गए।

वर्ष 2003 में रीवा विधानसभा क्षेत्र से प्रदेश में सर्वाधिक वोटों (वोट प्रतिशत के आधार पर) से चुनाव जीतकर, पहली मर्तबा विधायक बने।

28, जून, 2004 से दिसम्बर, 2005 तक (लगभग डेढ़ वर्ष) उमाश्री भारती के नेतृत्व में गठित भाजपा सरकार में पहली बार राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार), आवास एवं पर्यावरण रहे।

वर्ष 2008 के विधानसभा चुनावों में दूसरी बार रिकार्ड वोटों से जीत दर्ज कर विधानसभा पहुँचे तथा शिवराज सिंह के नेतृत्व में गठित भाजपा सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार, वन एवं खनिज, विधि और विधायी कार्य बनाए गए।

वर्ष 2009 में ऊर्जा एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का प्रभार संभालने के पश्चात गुजरात की ग्राम ज्योति योजना से प्रेरित होकर, मध्यप्रदेश में भी अटल ज्योति योजना का शुभारंभ कर, प्रदेश में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के लक्ष्य को हासिल किया। वर्ष 2013 के विधानसभा चुनावों में प्रचंड बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की सरकार निर्वाचित होने में अटल ज्योति योजना के माध्यम से विद्युत की निर्बाध उपलब्धता का विशेष योगदान रहा।

वर्ष 2012 में शिवराज मंत्रिमण्डल में पदोन्नत कर, केबिनेट मंत्री बनाए गए।

वर्ष 2013 में म.प्र. विधानसभा चुनावों में तीसरी मर्तबा अच्छे अंतर से चुनाव जीतकर शिवराज सरकार में खनिज, जनसंपर्क, ऊर्जा, नवीन नवकरणीय ऊर्जा, उद्योग मंत्री बनाए गए।

वर्ष 2018 में चौथी बार रीवा विधानसभा से निर्वाचित होकर, वर्तमान में विधायक हैं।

विशेष उपलब्धियां

विगत 15 वर्षों से विध्य क्षेत्र में होने वाले सभी लोकसभा / विधानसभा चुनावों के प्रभारी बनाए गए तथा कुशल चुनावप्रबंधन से लगभग सभी उप चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की प्रचण्ड बहुमत से विजयी बनाने में सफल रहे।

नवकरणीय ऊर्जा मंत्री रहते हुए रीवा में एशिया के सबसे बड़े सौलर प्लान्ट की स्थापना की एव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के करकमलों से लोकार्पित किया ।

सम्पूर्ण विश्व में अपनी अद्भूत पहचान रखने वाला व्हाईट टाईगर विगत 46 वर्षों से अपने उद्गम (जन्म) स्थल विन्ध्य से ही विलुप्त हो गया था, जो कि विध्य क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण राजनैतिक / भावनात्मक मुद्दा रहा है। प्रदेश सरकार में वन मंत्री रहते विन्ध्य क्षेत्र के मुकुन्दपुर वन क्षेत्र में व्हाईट टाईगर जू कीस्थापना एवं सफेद शेर को अपनी धरती पर वापस लाने में विशेष भूमिका अदा की। वर्ष 2014 में लोकार्पित यह जू में आज भी हजारों देशी-विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

पिछली भाजपा सरकारों में मंत्री रहते विन्ध्य के सभी जिलों के अलग-अलग समय पर प्रभारी मंत्री रहते सम्पूर्ण विन्ध्य में पार्टी को स्थापित करने के लक्ष्य को हासिल करने में सफलता प्राप्त की । परिणामस्वरूप वर्ष 2018 के विधानसभा चुनावों में सत्ता के विपरीत लहर होने के बावजूद विष्ध्य क्षेत्र की 30 में से 24 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की।

मप्र: पेंशनर्स का दिल्ली में प्रदर्शन आज, न्यूनतम पेंशन मिलने का 10 साल से इंतजार

भोपाल। कर्मचारी पेंशन स्कीम के तहत एम्पलाई प्रोविडेंड फंड के दायरे में दायरे में आने वाले कर्मचारी हायर पेंशन नहीं मिलने और न्यूनतम पेंशन में बढ़ोतरी नहीं किए जाने से नाराज हैं। दस साल पहले न्यूनतम पेंशन 3 हजार रुपए करने की सिफारिश की गई थी, लेकिन अभी तक पेंशनर्स को सिर्फ 700 से 1000 रुपए तक ही मिल रहे हैं। इन दो मांगों को लेकर आज यानी मंगलवार को एम्पलाई नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी के बैनर तले दिल्ली के जंतर-मंतर में बड़ा आंदोलन किया जा रहा है। प्रदर्शन में मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों के प्रतिनिधि शिकरत करेंगे।

पेंशनर्स कर चुके 5 साल में 12 बड़े आंदोलन

कमेटी के पदाधिकारी का कहना है कि भोपाल, दिल्ली, नागपुर सहित अन्य स्थानों पर पेंशनर्स द्वारा 5 साल में 12 बड़े आंदोलन किए जा चुके हैं। इस दौरान सरकार से कई बार चर्चा हुई, लेकन कोई नतीजा नहीं निकला। इस कारण देशव्यापी प्रदर्शन का फैसला लेना पड़ा। कमेटी के नेशनल डिप्टी जनरल सेक्रेटरी चंद्रशेखर परसाई ने बताया कि मंगलवार को किए जा रहे प्रदर्शन में मध्यप्रदेश के ओर से भोपाल, बैतूल, छिंदवाड़ा, सीहोर, राजगढ़, रायसेन समेत कई जिलों के प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे। कमेटी की पदाधिकारी संजना रिछारिया और गीता तिवारी के नेतृत्व में कई जिलों की महिलाएं भी प्रदर्शन में दिल्ली पहुंची हैं।

आंदोलन को लेकर पेंशनर्स की मांगें

न्यूनतम पेंशन 1000 रु. से बढ़कर 3000 रुपए किए जाने की सिफारिश सहित भगत सिंह कोश्यारी कमेटी की रिपोर्ट दस साल से पेंडिंग है। 35त्न कर्मचारियों को रिटायर होने पर 700 रु. से 1000 रु. तक पेंशन मिल रही है। सरकार तत्काल न्यूनतम पेंशन बढ़ाकर 3000 रुपए करे।

ईपीएफओ के 23 मार्च 2017 के आदेश के अनुसार जिन्हें हायर पेंशन मिल रही थी वह ईपीएफओ ने बंद कर दी। मध्य प्रदेश में हाई कोर्ट के आदेश से भोपाल, इंदौर में भी कई सेवानिवृत कर्मचारियों और अधिकारियों को हायर पेंशन मिल रही है। इनमें से ज्यादातर की हायर पेंशन बंद कर दी गई। इनकी हायर पेंशन शुरू की जाए।

2021-22 में ईपीएफओ को एक साल में ही 57526 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे। ईपीएफओ को 1 वर्ष में 50614 करोड़ रुपए ब्याज के रूप में प्राप्त हुए। जिसमें से पेंशन में सिर्फ 12933 करोड़ रुपए ही ही खर्च हुए। इसके बावजूद हायर पेंशन रोक दी गई।

2021-22 में ही पेंशन वितरण में 12933 करोड़ रुपए खर्च हुए। 7989 करोड़ रुपए की सदस्यों ने निकासी की। इस प्रकार एक ही वर्ष में ईपीएफओ को 29691 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय हुई।

इज्तिमा खत्म होते ही तीन घंटे में चकाचक कर दिया 390 एकड़ क्षेत्र

भोपाल। राजधानी में आयोजित होने वाला सालाना आलिमी तब्लीगी इज्तिमा यूं तो देश और दुनियां में जाना जाता है, लेकिन अब इसकी पहचान जीरो वेस्ट इज्तिमा के रूप में होने लगी है। ईंटखेड़ी में आयोजित चार दिनी इज्तिमा का सोमवार को समापन हुआ। समापन के महज तीन घंटों के भीतर नगर निगम के 700 सफाई कर्मियों ने 390 एकड़ में फैले इज्तिमा स्थल पर फैले 80 टन कचरे को समेटकर रिकार्ड कायम कर दिया। इज्तिमा स्थल के साथ ही मेन रोड के साथ ही अन्य एप्रोच रोड्स को भी चकाचक कर दिया।

नगर निगम ने इज्तिमा आयोजन में पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा और पूरे आयोजन स्थल को पालीथिन और सिंगल यूज डिस्पोजेबल प्लास्टिक मुक्त रखा। यह निगम अधिकारियों की मानीटरिंग का ही नतीजा था, जो इतने बड़ा सफल आयोजन हो सका।

इज्तिमा स्थल में स्व्च्छता के नोडल प्रभारी राकेश शर्मा ने बताया कि इज्तिमा खत्म होने के बाद स्थल को अलग-अलग सेक्टरों में बांटकर सफाई कराई गई। इज्तिमा स्थल, कंट्रोल रूम, कार्यालय, फूड जोन, पंडालों आदि की सफाई दोपहर तीन बजे शुरू हुई और शाम छह बजे पूरा क्षेत्र चकाचक कर दिया गया।

बता दें कि इज्तिमा स्थल व उसके आसपास एप्रोच रोड्स की सफाई के लिए आठ से 11 दिसंबर तक करीब 500 सफाई कर्मचारियों को तैनात किया गया। यहां से हर दिन 12 टन कचरा निकला। जबकि इज्तिमा समाप्ति वाले दिन सोमवार को 13 सहायक स्वास्थ्य अधिकारी और करीब 700 सफाई कर्मचारियों को काम पर लगाया गया। 80 टन कचरा एकत्रित कर निष्पादन के लिए भेजा गया।

अभिभाषक संघ के 2023-24 के चुनाव 8 जनवरी को ईवीएम से होंग

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ज़िला अधिवक्ता संघ भोपाल के चुनाव में आज उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र जमा किए। मुख्य चुनाव अधिकारी रवींद्र तिवारी ने बताए की आज अध्यक्ष पद पर 8 उपाध्यक्ष पद पर 4 सचिव पद 2 पर नामांकन फार्म प्राप्त हुवे। 12 दिसम्बर को भी नामांकन भरने की आखरी तिथि हैं। नामांकन फार्म की वापसी 20 एवम 21 दिसंबर को है। 22 दिसंबर को अंतिम उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन। टेंडर वोटिंग 22 दिसंबर 23 को तथा मतदान 8 जनवरी को होगा मतगणना 9 जनवरी होगी। मुख्य चुनाव अधिकारी रविंद्र तिवारी ने बताया कि इस बार चुनाव ईवीएम से कराए जा रहे हैं जिससे समय और धनराशि की भारी बचत होगी ईवीएम का डेमो भी आज डीबीए कार्यालय प्रदर्शित किया गया। मुख्य चुनाव अधिकारी ने यह भी बताया कि चुनाव समिति ने निर्णय लिया है की उम्मीदवार की वरिष्ठता स्टेट बार काउंसिल के पंजीयन से निर्धारित की जायगी। चुनाव में सरगर्मिया बड़ गई हैं सबके सहयोग से चुनाव शांतिपूर्ण होंगे।

एम्स के कार्यपालक निदेशक अजय सिंह ने विकसित भारत @2047 में भाग लिया

भोपाल। सम्पूर्ण देश के साथ साथ मध्य प्रदेश में भी विकसित भारत अभियान ञ्च2047 आज राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आज सुबह 10.30 बजे आयोजित किया गया । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'विकसित भारतञ्च2047ू युवाओं की आवाज' का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश भर में आयोजित कार्यशालाओं में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, संस्थानों के प्रमुखों और संकाय सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि युवा ही भविष्य में नए परिवार और नए समाज का निर्माण करेंगे और उन्हें यह तय करने का अधिकार है कि विकसित भारत कैसा हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी भावना के साथ सरकार देश के हर युवा को विकसित भारत की कार्ययोजना से जोड़ना चाहती है। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल के साथ एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह संस्थान के अधिष्ठाताओं एवं विद्यार्थियों के साथ उपस्थित थे। इस दौरान आयोजित पैनल चर्चा में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर (डॉ.) अजय सिंह ने कहा कि आज की सबसे बड़ी चुनौती देश के हर व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है और इसके लिए हमें तकनीक की मदद लेनी होगी। प्रौद्योगिकी का उपयोग करके हम हर व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल प्रदान कर सकते हैं और स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

भोपाल के वार्ड 41 सहित उप निर्वाचन से संबंधित नगरीय एवं पंचायत क्षेत्र में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों और पंचायातों के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही संबंधित क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गयी है। उप निर्वाचन का कार्यक्रम 6 दिसम्बर को घोषित किया गया है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों में भोपाल के वार्ड 41, कटनी के 9, 36, खण्डवा के 41, रतलाम के 31, सीहोर के 6, धनपुरी के 28, सारणी के 14, करेली के 5, श्योपुर के 3, विजयपुर के 4, मानपुर के 2, पटेरा के 14, बम्हनी बेंजर के 5, खुजनेर के 3, सतवास के 4, न्यू रामनगर के 2, 11, डही के 5 एवं 12 और माण्डव के वार्ड 9 में उप निर्वाचन प्रस्तावित हैं। नगरीय निकायों में मतगणना दिनांक 9 जनवरी और पंचायतों में 11 जनवरी तक आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत @2047 - वॉयस ऑफ यूथ कार्यक्रम का वर्चुअली किया शुभारम्भ

विषेशज्ञों ने विकसित भारत के स्वरूप पर किया चिंतन, कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेशन सेंटर में हुआ आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री रेन्द्र मोदी जी ने विकसित भारत @2047 - वॉयस ऑफ यूथ कार्यक्रम का वर्चुअली शुभारम्भ किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल आज कुशाभाऊ ठाकरे इन्टरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संयोजन नीति आयोग द्वारा किया गया था।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत @2047 के संकल्प और विजन को लेकर युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए यही समय, सही समय है। हर व्यक्ति और संस्थान जो भी कार्य करता है, वह राष्ट्र के कार्य हैं। इस भाव-भावना के साथ करें। उन्होंने कहा कि इंडिया आई से शुरू होता है। आई का मतलब मैं, अर्थात भारत को विकसित बनाने के लिए मैं क्या कर सकता हूँ। इस भाव के साथ कार्य करना होगा कि राष्ट्र के लिए कर्तव्यों का निष्ठा और ईमानदारी से पालन करें। प्रधानमंत्री ने सभी शैक्षणिक संस्थानों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों और देश के प्रत्येक नागरिक से आगे आकर अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने और स्वयं के उदाहरण से रोलमॉडल बनकर समाज को प्रेरित करने का अनुरोध किया। स्थानीय कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा श्री के. सी. गुप्ता, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा, विभिन्न विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर, राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों के संचालक, संकाय सदस्य और विद्यार्थी गण उपस्थित थे। कार्यक्रम से प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों में प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने वर्च्यूली सहभागिता की।

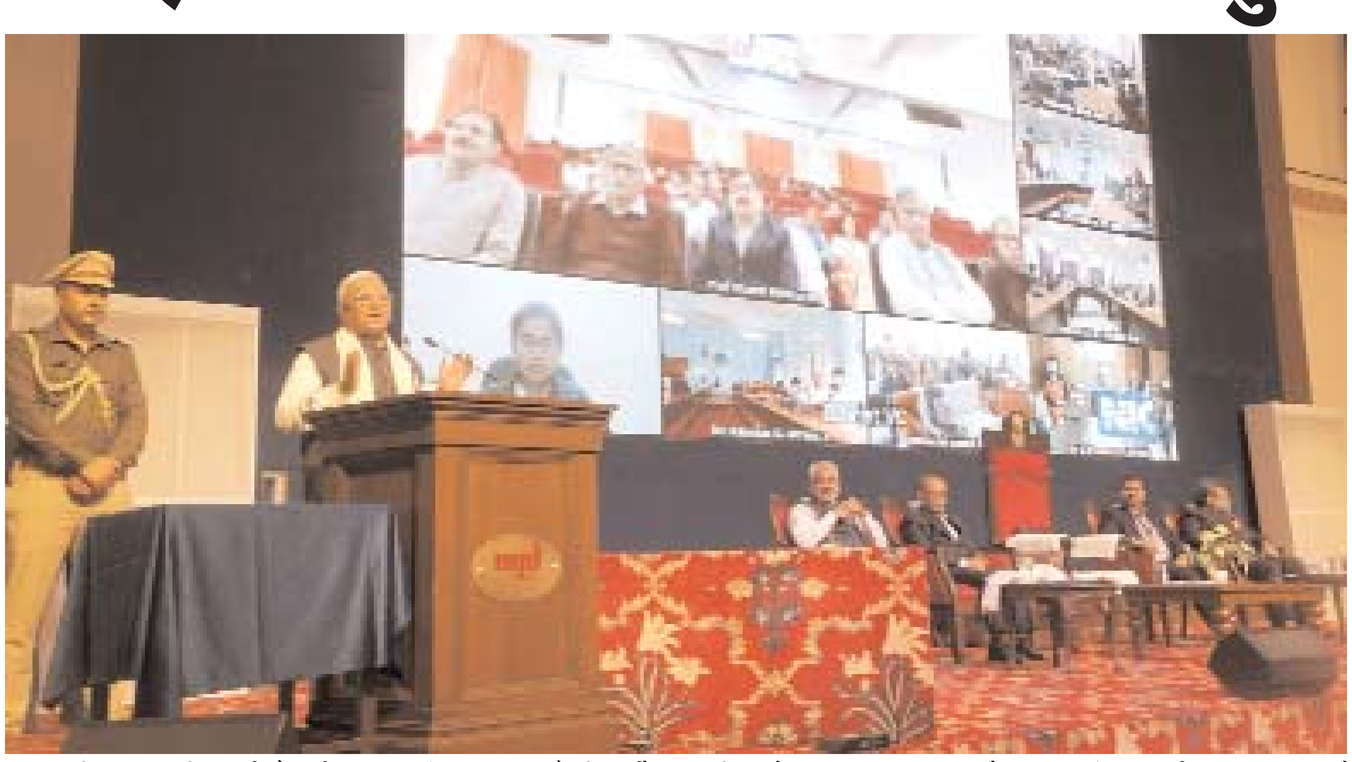

शुभारम्भ कार्यक्रम उपरांत स्थानीय कार्यक्रम में इनोवेशन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थ्राइविंग एंड सस्टेनेबल इकोनॉमी और युवाओं की उपयोगिता ङ्क विकसित भारत ञ्च 2047 विषयों पर छात्रों की सहभागिता के साथ विशेषज्ञों के पेनल डिस्कशंस आयोजित हुए। प्रथम सत्र में इनोवेशन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी के पेनल डिस्कशन में सुनील कुमार, प्रोफ़ेसर अजय सिंह, प्रोफ़ेसर जी. दीक्षित, वर्द्धमान सोनी एवं प्राची अग्रवाल ने चर्चा के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी को विकास की शक्ति और युवाओं के नेतृत्व को उसका आधार बताया है। उन्होंने पाठ्यक्रमों में व्यवहारिक विषयों को सम्मिलित करने, तकनीकी संस्थाओं के विद्याथियों के कार्य अनुभव के लिए उद्योगों को वर्कशॉप के रूप में जोड़ने, उद्योगों की आवश्यकताओं और समस्याओं के समाधान का मंच शैक्षणिक संस्थाओं में उपलब्ध कराने के सुझाव दिए। चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के द्वारा चिकित्सा सेवाएं रोगी तक पहुँचाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। आधुनिक विज्ञान में शोध अनुसंधान के साथ भारतीय ज्ञान परंपराओं को सम्मिलित करने पर बल दिया है। द्वितीय सत्र में थ्राइविंग एंड सस्टेनेबल इकोनॉमी विषय के पेनल डिस्कशन में अमरजीत खालसा, अनिरुद्ध चौहान, पुलकित शर्मा, प्रदीप करमवेलकर ने चर्चा के दौरान अधोसंरचना विकास की दिशा, रेलवे की कार्य क्षमताओं में वृद्धि, मैन्यूफ़ैक्चरिंग इंडस्ट्री में प्रौद्योगिकी के लगातार बदलाव, एडिटिव मैन्यूफ़ैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर की अहमियत और उद्योग आधारित कौशल विकास के प्रयासों को गतिमान करने पर बल दिया। कहा गया कि असली विकास सतत विकास है। वर्तमान काल स्वरोजगार और उद्यमों के लिए स्वर्णकाल है। एक अच्छे आईडिये के लिए पूंजी की कमी नहीं है। तृतीय सत्र में युवाओं की उपयोगिता ङ्क विकसित भारत ञ्च 2047 विषय के पेनल डिस्कशन में आशुतोष सिंह, सिद्धार्थ अग्रवाल, वीरेंद्र व्यास ने चर्चा में युवाओं में कर्तव्यबोध, अपनी ज्ञान परंपरा और धरोहर पर गर्व के भाव होने की आवश्यकता बताई, विकसित भारत केवल संपन्नता नहीं अपितु उन्नत मस्तिष्कों और सकारात्मकता के लिये भी जाना चाहिये, विकास जनोन्मुखी और जनआधारित होना चाहिये। देश का सच्चा विकास सामुदायिक सहभागिता में ही है।

स म्पा द की य

मालवा के मोहन...

लंबी कवायद के बाद अंततः मध्य प्रदेश को नया मुख्यमंत्री मिल गया है। मोहन यादव को प्रदेश की कमान सौंपी गई है। करीब इकतीस साल बाद मालवा-निमाड़ क्षेत्र से मुख्यमंत्री की कमान मिली है। मालवा से आने वाले वो छठे नेता हैं जिन्हें मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनसे पहले सुंदरलाल पटवा को मुख्यमंत्री बनाया गया था। वो 5 मार्च 1990 से 15 दिसंबर 1992 तक एमपी के सीएम रहे। इससे पहले पटवा 1980 में भी तीन महीने के लिए सूबे के मुख्यमंत्री रहे थे। अब मालवा से आने वाले उज्जैन दक्षिण के विधायक मोहन यादव को सीएम का जिम्मा मिला है।

भाजपा कार्यालय में सोमवार को विधायक दल की बैठक हुई, जहां मोहन यादव को विधायक दल का नेता चुना गया। स्वयं निवृत्तमान शिवराज सिंह चौहान ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा। डॉ. मोहन यादव वर्तमान में उज्जैन दक्षिण से विधायक हैं। मोहन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से राजनीतिक कैरियर शुरू हुआ। वे उज्जैन के माधव महाविद्यालय के अध्यक्ष रहे। और फिर अखाड़े में भी दांव-पेंच आजमाए। वे मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष भी हैं। माना जा रहा है कि शिवराज सिंह चौहान और भूपेंद्र यादव ने मिलकर मोहन यादव का नाम चुना और संघ से बड़ी आसानी से सहमति भी मिल गई। इसके साथ ही पीएम मोदी, अमित शाह और नड्डा ने इसे चौंकाने वाला नाम मानते हुए मुहर लगा दी।

मोहन यादव साल 2013 में पहली बार उज्जैन दक्षिण क्षेत्र से विधायक बने थे। इसके बाद साल 2018 में फिर इसी विधानसभा सीट से विजयी हुए। उन्होंने 2 जुलाई 2020 को शिवराज सरकार मे उच्च शिक्षा मंत्री की शपथ ली थी। इस बार 3 दिसंबर 2023 को रिजल्ट आने पर वो लगभग 13000 मतों से उज्जैन दक्षिण क्षेत्र से विजयी घोषित हुए थे। मालवा की बात करें तो इससे पहले सुंदरलाल पटवा 1990 से 1992 तक मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी उठाई थी। पटवा मनासा से चुनाव लड़ते थे, जो उस समय मंदसौर जिले में आता था। अब ये नीमच जिले की विधानसभा है।

मालवा-निमाड़ से जिन दिग्गजों को मुख्यमंत्री का पद मिला है, उनमें सुंदरलाल पटवा के अलावा वीरेंद्र सकलेचा, कैलाश जोशी, प्रकाशचंद सेठी, भगवंतराव मंडलोई भी शामिल हैं। वीरेंद्र कुमार सकलेचा जावद विधानसभा से विधायक थे। उन्होंने 18 जनवरी 1978 से 19 जनवरी 1980 तक सीएम पद संभाला। उनसे पहले कैलाश जोशी भी सीएम रहे। उन्होंने 26 जून 1977 से 17 जनवरी 1978 तक सूबे की कमान संभाली। उनका विधानसभा क्षेत्र बागली था। इनसे पहले इंदौर के विधायक प्रकाशचंद सेठी भी मुख्यमंत्री का जिम्मा उठा चुके थे। उनका कार्यकाल 23 मार्च 1972 से 22 दिसंबर 1975 तक था। मालवा-निमाड़ रिजन से आने वाले दिग्गजों में भगवंतराव मंडलोई भी हैं, जिन्हें एमपी का सीएम रहने का मौका मिला। वो खंडवा से विधायक थे। वो 12 मार्च 1962 से 29 सितंबर 1963 इस पद पर रहे।

कहा जा रहा है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने यादव समाज से आने वाले मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर एक साथ कई निशाने साधे हैं। मध्य प्रदेश ही नहीं, यादव बहुल उत्तर प्रदेश और बिहार को भी साध लिया है। इन राज्यों में यादव समाज के लोग बड़ी संख्या में हैं। अगले वर्ष लोकसभा चुनाव होने हैं। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 और बिहार में 40 सीटे हैं। बिहार में वर्ष 2025 में विधानसभा चुनाव भी प्रस्तावित हैं। ऐसे में, भाजपा संगठन ने यह संदेश दिया है कि पार्टी ओबीसी वर्ग में भी सभी समाज के लोगों को आगे लाना चाहती है। बता दें के इसके पहले उमा भारती, बाबूलाल गौर, शिवराज सिंह चौहान भी ओबीसी वर्ग से मुख्यमंत्री थे, पर सभी अलग-अलग समाज से थे। अब बाबूलाल गौर के बाद यादव समाज के किसी नेता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिली है।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें होने की वजह से केंद्र की सरकार बनाने में उत्तर प्रदेश की बड़ी भूमिका होती है। यहां ओबीसी वर्ग की जनसंख्या 54 प्रतिशत है। इसमें लगभग 20 प्रतिशत यादव समाज के मतदाता हैं। यही वजह है कि सभी दल वहां यादव समाज के लोगों को साधने की कोशिश करते हैं। समाजवादी पार्टी से भी यादव समाज के लोगों का उत्तर प्रदेश में अच्छा जुड़ाव है।

ऐसे में, मध्य प्रदेश का पड़ोसी राज्य होने के कारण उत्तर प्रदेश में इसका लाभ भाजपा उठाना चाहती है। इसी तरह बिहार की कुल जनसंख्या में 14 प्रतिशत (1.86 करोड़) लोग यादव के समाज के हैं और ओबीसी आबादी 63 प्रतिशत है। इनके दम पर बिहार में लालू प्रसाद यादव अपनी पार्टी राजद की सरकार बनाते रहे हैं। चूंकि पार्टी अगले वर्ष होने वाले लोकसभा और फिर बिहार में विधानसभा चुनाव में मोहन यादव के माध्यम से यादव मतदाताओं को साधने की कोशिश करेगी। फिलहाल नए मुख्यमंत्री के सामने राज्य की आर्थिक चुनौतियों के साथ ही लोकसभा चुनाव में सभी सीटें जीतने की चुनौती भी है।

अबूझ पहेली बन चुके हैं मोदी...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन को पढ़ना नामुमकिन है। ये एक बार फिर साबित हो गया। मोदी राजनेताओं के लिए अबूझ पहेली बन चुके हैं। उनके फैसले बेहद गोपनीय और चौंकाने वाले रहते हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का नाम ही ले लीजिये। किसने कल्पना की होगी कि पर्ची में मोहन यादव का नाम निकलेगा। मोदी अपनी योजनाओं, रणनीति को इतना गोपनीय कैसे रख पाते हैं। वे अच्छे-अच्छे विश्लेषकों पर भारी पड़ते हैं। मोहन यादव के नाम के बहाने जानते हैं मोदी के अबूझ फैसले।

मनोहर लाल खट्टर

2014 में सबसे पहले मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बनाकर राजनीति के हल्कों में मोदी और शाह की जोड़ी ने सबकों चौंका दिया था। जाट बाहुल राज्य हरियाणा में किसी को उम्मीद नहीं थी कि एक गैरजाट को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। साधारण से किसान परिवार से आने वाले खट्टर पंजाबी खत्री समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। वह आरएसएस के प्रचारक रहे हैं।

देवेन्द्र फडणवीस

इस लिस्ट में अगला नाम आता है देवेन्द्र फडणवीस का। साल 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने महाराष्ट्र में देवेन्द्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाकर सभी को चौंका दिया। दरअसल, देवेन्द्र फडणवीस को जब मुख्यमंत्री बनाया गया, उस समय केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी इस पद के लिए सबसे बड़े दावेदार थे। उस समय देवेन्द्र फडणवीस कम उम्र के होने के साथ साथ सरकार चलाने का भी नितिन गड़करी की तरह लंबा अनुभव नहीं रखते थे।

प्रमोद सावंत

गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में प्रमोद सावंत का नाम भी मोदी शाह की जोड़ी की ओर से लिया गया चौंकाने वाला फैसला था। मनोहर पर्रिकर के निधन के बाद गोवा के मुख्यमंत्री की सीट खाली हो गई थी. बाद में प्रमोद सावंत को विधानसभा द्वारा चुना गया और बाद में उन्होंने 19 मार्च 2019 को गोवा के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

पुष्कर सिंह धामी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के रूप में पुष्कर सिंह धामी को चुनना मोदी शाह का एक बहुत ही चौंकाने भरा फैसला था, लेकिन जैसा कि माना जाता है कि यह जोड़ी सभी को चौंकाने में माहिर है, तो पुष्कर सिंह धामी को चुनकर उन्होंने एक बार फिर यह साबित कर दिया। सबसे बड़ी बात 2022 के चुनावों में धामी अपनी सीट हार गए थे, लेकिन उन्हें फिर से मुख्यमंत्री चुना गया। वह राज्य के गठन के बाद से लगातार दूसरा कार्यकाल संभालने वाले राज्य के एकमात्र मुख्यमंत्री हैं।

भूपेंद्र पटेल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी की ओर से भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बनाना सबसे चौंकाने वाला फैसला था। पटेल पहली बार विधानसभा के लिए चुने गए और पहली ही बार में मुख्यमंत्री बना दिए गए। साल 2017 में पहली बार विधायक बने पटेल को सितंबर 2021 को विजय रूपाणी के गुजरात के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

विष्णुदेव साय

छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री के रूप में विष्णुदेव साय की नियुक्ती भी मोदी शाह की जोड़ी का चौंकाने वाला फैसला था। किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि साय को यह जिम्मेदारी दी जाएगी।

मोहन यादव

सोमवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में मोहन यादव की नियुक्ति भी चौंकाने वाली हलचल है। दरअसल, मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल सहित दिग्गज नेता कैलाश विजयवर्गीय और शिवराज सिंह चौहान का नाम भी शामिल था।

अन्य फैसले

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का देश के सर्वोच्च पद के लिए चयन भी बहुत ही चौंकाने वाला फैसला था मोदी शाह की जोड़ी का। जुलाई 2022 को राष्ट्रपति पद पर पहुंचने वालीं वह जनजातीय समुदाय से संबंधित पहली व्यक्ति हैं। उनका नाम भी अचानक से सामने आया था।

नोटबंदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सबसे चौंकाने वाला फैसला नोटबंदी का था। देश में नोटबंदी का ऐलान 8 नवंबर, 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। अचानक रात 8 बजे उन्होंने देश को संबोधित किया और रात 12 बजे से 500 और 1,000 रुपये के नोट बंद कर दिए गए। इसकी किसी को भनक तक नहीं लगी। द सूत्र।

असुरक्षित है देश क़ी आधी आबादी

-राकेश दुबे

भारत की संस्कृति का मूल आधार नारी सम्मान कहीं खोता जा रहा है। हाल ही में सामने आए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि महिला सुरक्षा के मोर्चे पर देश के हालात बेहद खराब हैं। एनसीआरबी के रिकॉर्ड के मुताबिक 2021 की तुलना में 2022 में महिलाओं पर अपराध में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

कहने को यह बढ़ोतरी मामूली लग सकती है,लेकिन इसी अवधि में संज्ञेय अपराधों में आई 4.5 प्रतिशत की कमी के बरअक्स देखें तो यह अच्छी खासी वृद्धि है। वर्ष 2022 में कुल 4,45,256 मामले दर्ज किए गए, यानी हर घंटे 51 प्राथमिकी दर्ज की गईं। इसके बावजूद यह चौंकाने वाला आंकड़ा शायद काफी हद तक सीमित तस्वीर पेश करता है और केवल उन्हीं अपराधों के बारे में बताता है जिन्हें दर्ज किया गया।

इस सर्व मान्य तथ्य को हम सभी जानते हैं कि महिलाएं अपने विरुद्ध होने वाले अपराधों की जानकारी देने के लिए सामने नहीं आतीं। इसकी कई वजह हैं जिनमें सामाजिक शोषण से लेकर व्यक्तिगत खतरा, हठधर्मिता और पुलिस तथा न्यायपालिका की उदासीनता तक शामिल हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि संकट कहीं अधिक गंभीर है।

महिलाओं के लिए असुरक्षित माहौल ही उन्हें श्रम शक्ति में शामिल होने से रोकता है। यह बात भी देश की कमजोर श्रम शक्ति भागीदारी दर के लिए जिम्मेदार है। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि समस्या की शुरुआत भारतीय परिवारों में ही होती है जहां पति या रिश्तेदारों की क्रूरता 31.4 प्रतिशत मामलों की प्राथमिक वजह है।हालांकि यह विशिष्ट अपराध के मामले में दहेज विरोधी कानूनों को सख्त बनाने की तत्काल आवश्यकता है लेकिन इसके साथ ही यह महिलाओं को वस्तु समझने के सामाजिक रूढ़िवादी दृष्टिकोण को भी दर्शाता है।

मोटामोटी अर्थ यह है कि ऐसे रवैये में पुरुष नौकरी या करियर के मामले में परिवार की महिलाओं की वित्तीय या सामाजिक स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करने की प्रवृत्ति नहीं रखते। यह पुरुषवादी मानसिकता कई स्तरों पर प्रभाव उत्पन्न कर सकती है- यह स्वतः ही कार्यस्थल तक पहुंच जाता है और महिला कर्मचारियों के करियर को प्रभावित करता है।

इसके साथ ही महिलाओं को घर तक सीमित रखना भी सार्वजनिक माहौल को बहुत हद तक असुरक्षित रखने वाला है। महिलाओं पर अपराधों में 26 प्रतिशत बलात्कार और हमलों के हैं। इसके अलावा कन्याओं के खिलाफ मध्ययुगीन सामाजिक प्राथमिकताओं के चलते देश के कई हिस्सों में महिला-पुरुष अनुपात बहुत बुरी तरह बिगड़ गया है। यही कारण है कि अपहरण करके महिलाओं को लाया जाता है ताकि उन्हें पत्नी बनाया जा सके और बच्चे पैदा किए जा सकें। इस श्रेणी का अपहरण महिलाओं के खिलाफ अपराध में तीसरे क्रम पर है।

एक अन्य अहम बिंदु यह है कि महिलाओं पर सबसे अधिक अपराध अपेक्षाकृत औद्योगिक राज्यों मसलन महाराष्ट्र और राजस्थान में हो रहे हैं या ऐसे राज्यों में जिन्हें खुद को आर्थिक शक्ति के रूप में बदलने की आवश्यकता है, मसलन पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश। इसमें बाद वाले राज्यों में महिलाओं पर अपराध के 65,000 मामले पंजीकृत हैं।

यह दुख और शर्म की बात है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महिलाओं पर अपराध की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। केंद्र सरकार को इस बात पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि वहां का पुलिस बल सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आता है। सार्वजनिक स्थानों पर महिला सुरक्षा के मामले में दिल्ली की कमजोर प्रतिष्ठा को याद करने के लिए 2012 में एक पैरामेडिक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना काफी है।

इसके चलते कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां महिला कर्मियों की नियुक्ति नहीं करतीं। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि हमारा देश अपनी आधी आबादी की तरक्की की गारंटी नहीं दे पा रहा है। यह एक अंतर्निहित सामाजिक संकट का संकेत है जो राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा वाले हमारे देश को प्रगतिशील समाजों की सूची में पीछे धकेलता है।

मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव कैसे बने भाजपा की पहली पसंद?

हरीश दिवेकर

मध्यप्रदेश के नए मुखिया बने हैं मोहन यादव और दो डिप्टी सीएम बने हैं राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा। इस फैसले के साथ बीजेपी ने फिर वही किया जो वो हमेशा से करती आई है। अपने हर फैसले से चौंकाना और सारे सवालों को बिना जवाब दिए ही खत्म कर देना। मोदी, शाह और नड्डा की बीजेपी का यही अंदाज रहा है। और, मध्यप्रदेश में वही हुआ भी है।

तीन बार विधानसभा का चुनाव जीते मोहन यादव

शिवराज सिंह चौहान इस बार सीएम नहीं बनेंगे, ये तय था। इसके बावजूद अटकलों के बाजार में उनका नाम गुम नहीं हुआ था। कहीं न कहीं से ये सुगबुगाहट शुरू हो ही जाती थी कि शिवराज सिंह को फिर मौका मिल सकता है। इसके अलावा मोदी कैबिनेट का हिस्सा रहे नरेंद्र सिंह तोमर और प्रहलाद पटेल इस पद की रेस में सबसे आगे माने जा रहे थे। इसके अलावा ज्योतिरादित्य सिंधिया और वीडी शर्मा का नाम भी बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा था। मध्यप्रदेश में पर्यवेक्षक आए। विधायक दल की बैठक शुरू हुई। तब उम्मीद इन्हीं में से किसी नाम के ऐलान की थी, लेकिन जो हुआ वो उम्मीद से बिलकुल परे था। तीन बार विधानसभा का चुनाव जीते मोहन यादव को शिवराज सिंह चौहान की कुर्सी सौंप दी गई। और उनसे कहीं ज्यादा वरिष्ठ दो विधायकों को डिप्टी सीएम का पद दिया गया है।

भारी चेहरों के बीच मोहन यादव के चेहरे पर मोहर कैसे

इसके बाद से ये सवाल उठ ही रहे हैं कि आखिर मोहन यादव को अचानक बीजेपी ने कैसे चुन लिया। 163 विधायकों की लंबी चौड़ी फौज। जिसमें नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय, जयंत मलैया, गोपाल भार्गव, खुद राजेंद्र शुक्ल, जगदीश देवड़ा जैसे सीनियर नाम शामिल हैं। उन बड़े भारी चेहरों के बीच बीजेपी ने आखिर मोहन यादव के चेहरे पर मोहर कैसे लगा दी।

मोहन यादव के सुरेश सोनी से उनके घनिष्ठ संबंध रहे हैं

बीजेपी की इस पसंद का सियासी समीकरण काफी गहरा है। जिसका एक सबसे बड़ा फैक्टर है संघ से करीबी। मोहन यादव संघ के करीबी और पुराने कर्मठ कार्यकर्ताओं में से एक हैं। जो संघ के प्रमुख नेताओं में शामिल भैयाजी जोशी और सुरेश सोनी के बेहद करीबी हैं। मोहन यादव का ससुराल राजगढ़ से है। इस नाते सुरेश सोनी से उनके घनिष्ठ संबंध रहे हैं। धर्मेंद्र प्रधान से भी उनका लंबा नाता रहा है। इसके अलावा पार्टी प्रमुख यानी कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनके पारिवारिक संबंध रहे हैं।

मोहन यादव एक निर्विवादित चेहरा हैं

मध्यप्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्य की कमान थामने के लिए इतनी ही क्वालिटी होना काफी नहीं है। मोहन यादव को सीएम बनाने से पहले बीजेपी ने और भी पहलुओं पर विचार किया है। जिसमें से एक है मोहन यादव का किसी खेमे का हिस्सा न होना। यादव तीन बार से विधायक हैं, लेकिन पिछले पंद्रह सालों से उन पर किसी एक खेमे का ठप्पा नहीं लग सका। वो न शिवराज खेमे के माने जाते हैं। मालवा से होकर भी उनका विजयवर्गीय खेमे से कोई गहरा ताल्लुक नहीं है। न ही वो उमा भारती खेमे के नेता रहे हैं न ही सिंधिया खेमे से उनका कोई लेना देना है। इस नाते मोहन यादव एक निर्विवादित चेहरा हैं। जिन पर एतराज होने की गुंजाइश न के बराबर है।

देवड़ा के बहाने दलित वर्ग को भी आगे रखा है

इसके अलावा मोहन यादव के चेहरे के सहारे बीजेपी ने ओबीसी फेक्टर को भी साध ही लिया है। जिस ओबीसी मुद्दे को कांग्रेस ने देशभर में जिलाए रखा है उसे मध्यप्रदेश में फिर बीजेपी ने निल कर दिया है। बीजेपी की सरकार जब से प्रदेश में सत्ता में आई है तब से ओबीसी या पिछड़ा वर्ग को ही नेतृत्व की कमान मिलती आई है। उमा भारती, बाबूलाल गौर, शिवराज सिंह चौहान और अब मोहन यादव भी ऐसा ही चेहरा हैं जो विपक्ष की एक और चाल को कमजोर तो कर ही रहे हैं। पिछड़े वर्ग को भी पहचान दे रहे हैं। उनके साथ राजेंद्र शुक्ल को डिप्टी सीएम का पद देकर ब्राह्मण और विंध्य के वोटर्स का मान बढ़ाया है। जगदीश देवड़ा के बहाने दलित वर्ग को भी आगे रखा है। अब जरा तफ्सील से नजर डालते हैं मोहन यादव के सियासी सफर पर। मोहन यादव ने साल 1982 में छात्र जीवन से ही राजनीति की दुनिया में कदम रख दिया था। वो माधव विज्ञान महाविद्यालय छात्रसंघ के सह-सचिव बने। इसके बाद वो 1984 में यहीं अध्यक्ष बने और इसी साल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ गए और नगर मंत्री बने। 1988 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मध्यप्रदेश के प्रदेश सहमंत्री एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और 1989-90 में परिषद की प्रदेश इकाई के प्रदेश मंत्री रहे। 1991-92 में उन्हें परिषद का राष्ट्रीय मंत्री बनने का मौका मिला।

पर्यटन विकास के लिए उन्हें राष्ट्रपति ने भी पुरस्कार दिया

इसके बाद उनकी जड़े आरएसएस में गहरी होती गईं। साल 1993 से 95 तक वो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह खंड कार्यवाहक रहे। साल 1997 में वो भारतीय जनता युवा मोर्चा से जुड़े। इसके बाद वो अलग-अलग समिति और पदों में रहे। साल 2000 से उनका सफर बीजेपी के साथ शुरू हुआ। जब वो निगर जिला महामंत्री बने। 2004 में उन्हें प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य बनने का मौका मिला। 2004 से 2010 में उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भी रहें। अलग-अलग पदों पर रहते हुए मोहन यादव हमेशा ही उज्जैन के विकास के प्रति रुझान रखते रहे। जिसकी वजह से उन्हें अप्रवासी भारतीय संगठन शिकागो ने उन्हें महात्मा गांधी पुरस्कार और इस्कॉन इंटरनेशनल फाउंडेशन ने सम्मानित भी किया। मध्यप्रदेश में पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष रहते हुए पर्यटन विकास के लिए उन्हें राष्ट्रपति ने भी पुरस्कार दिया। साल 2013, 2018 और 2023 में मोहन यादव विधायक का चुनाव जीते। और, अब प्रदेश की कमान उनके हाथ है। उम्मीद यही जताई जा रही है कि अपनी बाकी उपलब्धियों की तरह वो इस पद पर रहते हुए भी ऐसे ही कामों को अंजाम देंगे। हालांकि, अभी लोकसभा की चुनौती उनके सामने है। उससे पहले लोकसभा छोड़ कर बतौर विधायक अपने सदन में बैठने वाले दिग्गजों को साधना भी उनके लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

हजरत बाबा निज़ामी का उर्स आज, मौलाना मुमताज अहमद कादरी ने उर्स में शामिल होने अपील की

छतरपुर। हर साल की तरह इस साल भी आज 12 दिसंबर बरोज मंगल बाद नमाज जुहर हजरत मौलाना मुमताज अहमद कादिरी के गरीबखाने सुन्नी मुहम्मद मस्जिद के पास फैक्ट्री एरिया नौगांव रोड छतरपुर में वली-ए-कामिल आरिफे बिल्लाह हजरत मुहम्मद अब्दुल्लाह उर्फ बाबा निजामी अलैहिर्रहमतो रिजवान का 60वां उर्स मनाया जा रहा है जिसमें पीरे तरीकत हजरत हाफिज लाल मुहम्मद साहब निजामी सज्जादा नशीन खानकाहे आलिया, निजामिया, चिश्तिया कमहरयावी तशरीफ ला रहे हैं और शहर और अतराफ के मुफ्तियाने ऐजाम उल्मा-ए-किराम, शौरा-ए-इस्लाम व अइम्मा मसाजिद शिरकत फरमा रहे हैं। इस मौके पर हजरत मौलाना मुमताज अहमद कादरी उस्ताज ताहिरूल उलूम व खतीबो इमाम मस्जिद बस स्टैंड ने आप सभी अकीदतमंदों से गुजारिश की है कि वक्त पर तशरीफ लाकर बाबा निजामी रहमतुल्लाह अलैह के रूहानी फियूजी बरकात से मुस्तफीद हों। इस मौके पर निजामी लंगरे आम का भी एहतमाम किया गया है।

समाज सेवी नारायण साहू ने किया 20 वा कन्या का विवाह

औबेदुल्लागंज। .रायसेन जिले की भोजपुर विधानसभा के मंडीदीप नगर पालिका के वार्ड 6 संतोष नागर के मां संतोषी माता मंदिर में आज फिर एक कन्या का कन्यादान हुआ आज के युग में भी एक ऐसा नाम है। जो ऐसी कन्याओं का विवाह करते है।जिनकी स्तिथि सही नही होती।समाजसेवी नारायण साहू ने जानकारी देते हुए बताया की एक ऐसा समय था जब में भी सोचता था की में भी ऐसा कार्य करू जिससे समाज में एक अलग ही संदेश जाए इस संकल्प में मेरा साथ मेरे परिवार ने और मित्र जानो ने मेरा साथ दिया और मेने 4 वर्ष पूर्व संकल्प लिया था की में 51 कन्याओं का विवाह करूंगा।जिसमे मेरे द्वारा आज 20 वा कन्यादान किया जिसमे वर का नाम सूरज महतो बधू का नाम दीप माला ठाकुर का विवाह संपन्न कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।इस पुनीत कार्य में मेरा सहयोग भोला साहू, विक्की सोनी, सुरेंद्र चोकसे ,सुरेंद्र कीर , सोनू साहू ,मनोज सोनी मित्र मंडली द्वारा हर विवाह में सहयोग किया जाता है कन्या के विवाह में दिया जाता है। दहेज गोदरेज, सिलाई मशीन, गैस चूल्हा,कूलर, डबल बेड, घर गृहस्थी का सामान व एक रकम भी दी जाती है।वही नगर के समाज सेवी जानो द्वारा भी कई उपहार दूल्हा दुल्हन को दिए जाते है।

शैलेश अग्रवाल उर्फ सोनू बने वैश्य महासम्मेलन के तहसील अध्यक्ष

औबेदुल्लागंज। समाज के युवा कार्यकर्ता शैलेश अग्रवाल उर्फ सोनू को वैश्य महासम्मेलन का गोहरगंज तहसील का तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया है ! प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता तथा संभाग अध्यक्ष बीके गुप्ता की अनुशंसा पर समाज के जिला अध्यक्ष विनोद जैन आर एन जी द्वारा उनकी नियुक्ति सोमवार को की गई है ! गोहरगंज तहसील में शैलेश अग्रवाल को नवीन तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया है !जिनका आज शाल श्रीफल से सम्मान भी किया गया ! साथ में चार आजीवन सदस्यों की सदस्यता कराई गई शैलेश अग्रवाल सोनू की नियुक्ति पर महिला रायसेन जिला अध्यक्ष श्रीमति नमीता अग्रवाल, औबेदुल्लागंज जैन समाज के अध्यक्ष राजीव जैन, बागिश अग्रवाल ,अमित जैन भूपेंद्र मेहरा, भारत निहाल, उपेंद्र मालवीय, प्रीतम राजपूत, सुरेश केवट, अजय मालवी, राजेश सैनी, बीजी लावण्या, वैभव जैन सहित अन्य लोगों ने शुभकामनाएं प्रेषित की है !

कन्या महाविद्यालय में मेरी मातृभाषा में मेरा हस्ताक्षर अभियान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

सीहोर। शासकीय कन्या महाविद्यालय में ÷मेरी मातृभाषा में मेरा हस्ताक्षर अभियान÷ के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.जी.एल.जैन ने छात्राओं को प्रसिद्ध तमिल कवि और स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती के बारे में विस्तार से छात्राओं को भाषा का महत्व बताते हुए कहा कि भारत एक बहुभाषी देश है। जिसमें हर भाषा का रूप भारत को एकता एवं महत्व व मिठास है। सभी भाषाऐं मोती बनकर एक माला के बंधन में बांधे हुए है। इसी कार्यक्रम के अतंर्गत छात्राओं ने मालवी भाषा में एक नाटक प्रस्तुत कर अन्य छात्राओं को भारतीय संस्कृति से परिचित कराया। इसी अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा राजस्थानी लोकगीत पर एक मनमोहक सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। जिसे सभी छात्राओं द्वारा सराहा गया। भारतीय भाषा उत्सव के अन्तर्गत बहुभाषी देश की महत्ता को प्रदर्शित करते हुए छात्राओं द्वारा विभिन्न राज्यो की भाषाओं एवं क्षेत्रीय भाषा में सबका स्वागत एवं अभिवनन्दन किया गया तथा उन्होने विविधता में एकता के संदेश को महाविद्यालयीन परिवार एवं छात्राओं तक पहुचाया। जिसमें रिचा शर्मा द्वारा भाषा की महत्ता पर कविता वाचन किया गया।

भारतीय डाक विभाग की दुर्घटना पॉलिसी में 10 लाख तक का क्लेम

सीहोर। भारतीय डाक विभाग की इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में 396 रुपये सालाना की कीमत पर दुर्घटना पॉलिसी जारी की है। इस बीमा पॉलिसी में दुर्घटना मृत्यु स्थाई विकलांगता, आंशिक विकलांगता होने अथवा घटना में अंग-भंग होने या लकवा होने की स्थिति में दस लाख रुपए तक का क्लेम प्रदान किया जायेगा। दुर्घटना का शिकार होने पर अस्पताल में भर्ती बीमाधारक को आईपीडी इलाज के खर्च के लिए 60 हजार रुपये और मरहम पट्टी की जाने अथवा ओपीडी में इलाज की स्थिति में 30 हजार रुपये की राशि मुहैया कराई जाएगी। अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में 60 हजार रुपये के अतिरिक्त 10 दिनों तक एक हजार रुपए भी प्रतिदिन दिए जाएंगे। बीमाधारक का परिवार अन्य शहर में रहता है तो उसके आने के लिए अधिकतम 25 हजार रुपए तक का टिकट खर्चा भी दिया जायेगा और दुर्भाग्य से बीमा धारक की मृत्यु हो जाती है तो पॉलिसी के तहत 5 हजार रुपए अंतिम क्रियाक्रम के लिए दिए जाने का प्रावधान भी रखा गया है। इसके साथ ही बीमा धारक की मृत्यु होने पर बीमा राशि दस लाख रुपये के अतिरिक्त बच्चों की पढाई के लिए एक लाख रुपये अलग से देने का प्लान है।

विकसित भारत यात्रा पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहेः कलेक्टर

गरीब परिवारों को पात्रतानुसार प्राथमिकता से योजनाओं का लाभ मिले, कंट्रक्शन वर्क को समयसीमा में पूरा करने के निर्देश

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में टी.एल. बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार एवं एडीएम नमः शिवाय अरजरिया सहित एसडीएम, नपा सीएमओ, जनपद सीईओ सहित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री जी.आर. ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकसित भारत यात्रा के रथ जिले के ग्रामों का भ्रमण कर केन्द्र सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार कर रहें हैं, इस दौरान ग्रामों में कैम्प भी आयोजित करें और पात्र लोगों को योजनाओं से लाभान्वित करें। कोई पात्र योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि गरीब परिवारों को चिन्हित करें उन्हें पात्रता के हिसाब से प्राथमिकता के आधार पर लाभ पहुंचाएं।

कलेक्टर ने पीआईयू, पीडब्ल्यूडी, आरईएस आदि विभागों को बिल्डिंग वर्क सहित अन्य कंट्रक्शन काम समयानुसार पूरा करलें। कलेक्टर सभी स्कूलों सहित नगरीय निकाय, तहसीलों एवं शासकीय कार्यालयों में बने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को एक्टिव रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के संबंध में सभी अधिकारी ऑडिट कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने जल शक्ति अभियान अंतर्गत कामों की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। इस संबंध मे डब्ल्यूआरडी, पीएचई एवं जल निगम को निर्देशित किया गया। इस दौरान टीएल के लंबित प्रकरण, सीएम हेल्पलाइन, सीएम मॉनिट आदि की समीक्षा की गई और समयानुसार शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए।

डीडीए कृषि और डीएमओ पर कार्यवाही के निर्देशः कलेक्टर ने खाद वितरण के संबंध में निर्देश दिए कि किसानों को सुगमता से खाद उपलब्ध हो और कालाबाजारी करने वालों पर एफआईआर दर्ज कराएं। कलेक्टर ने डीएमओ रामस्वरूप तिवारी के टीएल में अनुपस्थित रहने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही उपसंचालक कृषि डॉ बी.पी. सूत्रकार को भी कड़ी फटकार लगाई और कालाबाजारी करने वालों तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। उन्होंने एडीएम को निर्देश दिए कि जो लापरवाही करें उसका प्रस्ताव कार्यवाही के लिए भेजें।

जल संरचनाओं का खसरा नम्बर में अपडेशन करने के निर्देशः कलेक्टर श्री जी.आर. ने एसएलआर को निर्देशित किया कि सभी जल संरचनाओं के खसरा नम्बर का अपडेशन मिशन मोड में करें। साथ ही खुले बोरवेल को बंद कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर ने गौरिहार में शासकीय बोर का निजी व्यक्ति द्वारा उपयोग करने पर एफआईआर दर्ज कराने के पीएचई विभाग को निर्देश दिए। कलेक्टर ने जनपद सीईओ और सीएमओ को निर्देशित कि या कि बावड़ियों, लेक आदि के कार्य को भी देखें।

मैरिज गार्डनों से टैक्स वसूलने, मॉल की पार्किंग चेक करने के निर्देशः सीएमओ छतरपुर को निर्देशित किया कि पन्ना रोड स्थित पुलियों के निर्माण में पाइप लाइन की शिफ्टिंग जो बांकी रह गई उसे जल्द कराएं। देरी करने पर ठेकेदारों पर कार्यवाही करें। उन्होंने शहर के मॉल आदि की पार्किंग एरिया को चेक करने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा बेसमेंट का उपयोग पार्किंग के लिए किया जाए। साथ ही समस्त सीएमओं को मैरिज गार्डनों से टैक्स वसूलने के निर्देश दिए और दुकानदारों के ट्रेड लायसेंस जारी करने के लिए कहा। कलेक्टर ने स्वच्छता की मुहीम में आमजन मानस को जोड़ें। उन्होंने का रास्तें में जो सामग्री पड़ी हो उसे जब्त करें।

इंशीनेटर प्लांट लगाने प्रस्ताव भेजेंने के निर्देशः कलेक्टर श्री जी.आर. ने सीएमएचओ को स्वास्थ्य केन्द्रों में जल्द ही सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर बॉयोमेडिकल वेस्ट को नष्ट करने के लिए इंशीनेटर प्लांट लगाने का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा जहां प्लांट बंद हैं। उन्हें फंग्सनल कराएं।

मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन नहीं मिलने पर बीआरसी पर होगी कार्यवाहीः कलेक्टर ने डीपीसी को स्पष्ट निर्देश दिए कि मध्यान्ह भोजन में लापरवाही नहीं चलेगी। उन्होंने कहा जहां क्वालिटी और मीनू अनुसार भोजन न रहे वहां के संबंधित बीआरसी पर कार्यवाही करें। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था के साथा भोजन पकाने और परोसने के संबंध में ब्लॉक स्तर पर टेऊनिंग रखने के निर्देश दिए।

अवैध रेत के ट्रैक्टर का शहर में प्रवेश होगा प्रतिबंध, खनिज अधिकारी को बैरियर लगाने के निर्देशः कलेक्टर ने खनिज अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि अवैध रेत टैऊक्टर शहर में प्रवेश न करें। इस संबंध में बैरियर बनाएं। उन्होंने सहायक कलेक्टर को निर्देश दिए कि शासकीय कार्यालयों के बाहर दलाली करने वालों की पहचान करें और कड़ी कार्यवाही करें। कलेक्टर ने जिलें में गुड गर्वेनेंश के इंटीगेटर ओर रैंकिंग की समीक्षा की।

12 नल कनेक्शन का उपयोग कमर्शियल मिलने पर काटने की हुई कार्रवाई

सिरोंज। बरसात कम होने के कारण केथन डेम पूरी तरह से खाली पड़ा हुआ है । जिसको देखते हुए आने वाले दिनों में पानी की समस्या उत्पन्न ना हो उसके लिए अवैध रूप से पानी का उपयोग करने वालों पर नगर पालिका ने कार्रवाई करते हुए के कनेक्शन को काटा भनक लगते ही गलत तरीके से पानी उपयोग करने वालों की चिंताएं भी बढ़ गई। गर्मी के दिनों में पानी की समस्या को दूर करने के विधायक उमाकांत शर्मा चिंतित जताते हुए उचित इंतजाम करने के निर्देश एसडीएम को दिए थे और उन्होंने कहा था कि किसी भी हालत में नगर वासियों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े उसके लिए जो भी जरूरी कदम उठाना हो गया उठाइए फंड की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी । इसके उपरांत एसडीएम हर्षल चौधरी ने पानी बचाने के लिए प्राथमिकता पर कौन-कौन से कदम उठाए जा सकते हैं। इसी क्रम में एसडीएम निर्देश पर नगर पालिका प्रशासन के द्वारा धरातल पर काम करना प्रारंभ कर दिया है। सोमवार को एक दर्जन के आसपास नाल को काटने का काम किया है क्योंकि यह नल अवैध रूप से कमर्शियल क्षेत्र में उपयोग किया जा रहे थे इनमें से कुछ कनेक्शन ऐसे भी पाए गए जिम घरों के नाम पर कनेक्शन लेकर धुलाई सेंटर संचालित किया जा रहे थे जहां पर दिन भर बड़ी मात्रा में वहां आते हैं उनकी धुलाई भी इन कनेक्शन के पानी से किया जा रहा था इसकी वजह से पानी की बर्बादी हो रही है उसको रोकने के लिए विधायक श्री शर्मा ने एसडीएम को निर्देश देकर इस समस्या को समय से पहले दूर करने और क्या-क्या उपाय पानी को बचाने के लिए उठाया जा सकते हैं उनको उठाने के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे इसके बाद एसडीएम ने नगर पालिका की टीम को पानी बचाने के लिए सभी जतन करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में सूचना प्राप्त हो रही थी कि अधिकांश धुलाई सेंटरों में नगर पालिका के नल कनेक्शन का उपयोग हो रहा है इन कनेक्शन को चोरी छुपे भी लगाया गया है साथ ही घरों के नाम पर कनेक्शन लेकर धुलाई सेंटर मैं वाहन धोने के लिए इनका उपयोग हो रहा है। जब इनकी जांच पड़ताल हुई तो पाया गया कि ऐसा ही अधिकांश धुलाई सेंटरों के संचालकों के द्वारा किया जा रहा था सोमवार को जैसे ही टीम जांच करने पहुंची तो इनकी पोल खुली इसके बाद इन कनेक्शन को काटने कार्रवाई तत्काल की गई। गलत तरीके से नल कनेक्शन उपयोग करने वाले धुलाई सेंटरों संचालकों पर जुर्माना की कार्यवाही भी प्रस्तावित की गई है । वैसे ही पानी की कमी को देखते हुए दो-दो घंटे हैं सप्लाई नगर पालिका के द्वारा दी जा रही है । इसके बाद इस तरह से पानी का दोहन हो रहा है यदि इसकी बर्बादी नहीं रोकी गई तो गर्मियों के दिनों में पानी के लिए भीषण समस्या भी उत्पन्न हो सकता है। उस निपटने के लिए पहले से ही प्रयास करना अच्छी पहल है आम जनता के हित में विधायक की चिंता भी जाहिर है।।प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू ने बताया कि विधायक और एसडीएम के निर्देश पर पानी बचाने के लिए हमारे द्वारा सभी कदम उठाए जा रहे हैं। पहले चरण में घरों के नाम पर लगे कनेक्शन का उपयोग धुलाई सेंटरों पर होने पर उनको काटने की कार्रवाई के साथ जुर्माना की कार्रवाई की गई है। कुछ कनेक्शन अवैध रूप से भी संचारित हो रहे हैं उन सब की जांच करके उनको काटने का काम किया जा रहा है ।शहर में पानी की किल्लत को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं पानी की बर्बादी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी अवैध रूप से अधिक कनेक्शन लगे हैं और पाए जाते हैं तो ऐसे लोगों पर भी हम कार्रवाई करेंगे ।वहीं नगर पालिका के द्वारा जैसे ही कार्रवाई प्रारंभ की गई तो गलत तरीके से नल कनेक्शन का उपयोग करने वालों की चिंताएं भी बढ़ गई और इनमें हड़कंप की स्थिति भी देखने को मिली।

इनका कहना है-

विधायक महोदय के निर्देश पर पानी की समस्या से निपटने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। गर्मियों के दिनों में पानी की समस्या उत्पन्न ना हो उसके लिए पहले से इंतजाम हमने प्रारंभ कर दिए इसी क्रम में नगर पालिका के द्वारा की गई है।

हर्षल चौधरी एसडीएम

दो दिवसीय मानव अधिकार दिवस का समापन, विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया

अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को अदालत द्वारा सजा भी दी जाती है-हरीश अग्रवाल

सीहोर। मानव अधिकार की रक्षा हमारी संस्कृति का अहम हिस्सा है। हमारी परम्पराओं में हमेशा व्यक्ति के जीवन निमित समता, समानता उसकी गरिमा के प्रति सम्मान, इसको स्वीकृति मिली हुई है। सर्वे भवन्तु सुखेन की भावना हमारे संस्कारों में रही है। मानवाधिकार का मतलब मनुष्यों को वो सभी अधिकार देना है, जो व्यक्ति के जीवन में स्वतंत्रता, समानता एवं प्रतिष्ठा से जुड़े हुए हैं। यह सभी अधिकार भारतीय संविधान के भाग तीन में मूलभूत अधिकारों के नाम से मौजूद हैं और इन अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को अदालत द्वारा सजा भी दी जाती है। उक्त विचार शहर के सैकड़ाखेड़ी स्थित संकल्प नशा मुक्ति केन्द्र में आयोजित दो दिवसीय मानव अधिकार दिवस का आयोजन में समाजसेवी हरीश अग्रवाल ने कहे। इस मौके पर उन्होंने बताया कि हमें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना चाहिए। योजनाओं के प्रति सजग रहते है तो उसका लाभ मिलता है। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान पिपलेश्वर महादेव समिति की ओर से ऋषिराज शर्मा, मनोज जैन और केन्द्र की ओर से बीपी शर्मा, विकास अग्रवाल आदि ने यहां पर संगोष्ठी और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी केन्द्र के हितग्राही मनीष सोनी, लंकेश मालवीय, सर्वेश निगम और रविन्द्र मालवीय को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर समिति के वरिष्ठ पदाकारी श्री शर्मा ने कहा कि मानवाधिकार आयोग का कार्य राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों के साथ-साथ मजदूरी, एचआईबी, एड्स, हेल्थ, बाल विवाह, महिला अधिकार के प्रति ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करना है। इस बात पर जोर दिया कि हमें कर्तव्यों का बोध होना चाहिए अधिकारों की मांग से पहले सिर्फ जानकारी दी बल्कि उनकी मानव अधिकारों से संबंधित बहुत सारे प्रश्नों का उत्तर दे करके उनकी शंकाओं का समाधान किया। स्वतंत्रता, समानता और न्याय का अधिकार सभी के लिए समान है। आइये, इस मानवाधिकार दिवस पर हम सब संकल्प लें कि मानव अधिकार के हितों की रक्षा में सहयोग कर राष्ट एवं समाज के नवनिर्माण में भागीदार बनेंगे

भारतीय संविधान ने अपने नागरिकों को मानवाधिकार प्रदान की वहीं केन्द्र के श्री अग्रवाल ने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट संघ ने मानवाधिकार की घोषणा की। भारतीय संविधान ने अपने नागरिकों को मानवाधिकार प्रदान की। भारतीय संविधान में जो लोक कल्याणकारी राज्य की कल्पना की है। उसे साकार करने में मानवाधिकार का योगदान है। देश में सच्ची शांति और आजादी तभी हासिल की जा सकती है, जब हम प्रत्येक नागरिक की प्रकृति प्रदत्त मानवीय गरिमा का सम्मान करें तथा ऐसी सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक व्यवस्था कायम करें जो सबके लिये समान और न्यायपूर्ण हो।मानव अधिकार सभी मनुष्यों के सार्वभौमिक अधिकार हैं चाहे उनकी जाति रंग लिंग भाषा धर्म राजनीतिक या अन्य राष्टीय या सामाजिक मूल संपत्ति जन्म या अन्य स्थिति कुछ भी हो मनुष्य होने के नाते मानव अधिकार सजग रूप से प्राप्त है समस्त मानव प्राणियों को एक दूसरे के मानव अधिकार की रक्षा करनी चाहिए।

अतिक्रमणधरियो पर कार्रवाई, 39 के बनाए चालान, सामन भी किया जप्त

सिरोंज। नगर पालिका परिषद के द्वारा अतिक्रमण धारी पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। जिसका नजर सोमवार को देखने को मिला अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई संजीव यादव के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों के द्वारा की गई पहले दिन 39 लोगों पर चालानी कार्रवाई करते हुए 8900 रूपए राजस्व के रूप में टीम के द्वारा एकत्रित किए गए है। जिसकी तारीफ भी हो रही है क्योंकि पहली बार नगर पालिका की टीम ने इतनी बड़ी मात्रा में जुर्माना की राशि एकत्रित की है । दूसरी ओर सूचना के बाद भी अतिक्रमण हटाने वाले दुकानदारों का सामान भी जप्त किया गया है। प्रभारी अधिकारी संजीव यादव ने बताया कि एसडीएम और मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देश में अतिक्रमण विरोधी की कार्रवाई करते हुए 39 चालान काटे जिसमें सड़क पर अवैध रूप से रेत के साथ सामान रखने वाले दुकानदारों को पहले समझाया इसके बाद भी समान नहीं हटाया तो इनका सामान भी जप्त करते हुए चलान की कार्रवाई भी की गई है आगे भी हमारी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी शहर को अतिक्रमण मुक्त करने का काम किया जाएगा। मुख्य सड़कों पर भी अतिक्रमण होने के कारण जाम की स्थिति में निर्मित होती है। अधिकांश दुकानदारों के द्वारा जितनी दुकाने होती है उस दौगुनी जगह पर अधिकांश दुकानदारों के द्वारा सड़क पर कब्जा करके सामान रख लेते हैं जिसकी वजह से मार्ग सकरे हो जाते है। ऐसे दुकानदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। वही एसडीएम और प्रभारी नगर पालिका अधिकारी के निर्देश नगर पालिका टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रारंभ की है।अब देखना है कि यह कार्रवाई कितने दिनों तक चलेगी और निष्पक्ष रूप से कार्रवाई होगी या नहीं।

समूहों की महिलाओं को बकरी पालन का मिलेगा लाभ

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. ने स्वसहायता समूहों की महिलाओं को बकरी पालन योजना का लाभ देने के लिए जिला पंचायत छतरपुर में आवेदन जमा करने एक बॉक्स लगाने के निर्देश दिए हैं। जिसमें महिलाएं अपना आवेदन लिख कर डाल सकेंगी। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वॉटरशेड एवं मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण अजीविका मिशन के संयुक्त उपक्रम से बकरी पालन विशेष परियोजना जिसे बिजावर एवं बक्स्वाहा विकासखण्ड में प्रस्तावित की गई है। स्वसहायता समूह में सम्मलित ऐसी महिलाएं जो बकरी पालन गतिविधियां संचालन करना चाहती हों, अपना आवेदन सादे कागज में 25 दिसम्बर तक दें सकतीं हैं। योजना में 74 हजार 280 की यूनिट रहेगी, 59 हजार 424 की वित्तीय सहायता परियोजना की तरफ से दी जाएगी। 20 प्रतिशत स्वयं को देना पड़ेगा। इसमें 6 बकरियां एक बकरा खरीद सकेगें। जिसके लिए रहने का स्थान बनाना पड़ेगा। हितग्राहियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही तकनीकि और प्रबंधन विक्रय के बाजार की व्यवस्था की जाएगी।

राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञः24 कुंडीय यज्ञशाला में देव आव्हान के साथ दी गई आहुतियां

छतरपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार छतरपुर द्वारा 24 कुण्डीय राष्ट जागरण गायत्री महायज्ञ के लिए आज सिद्धपीठ श्री महालक्ष्मी मंदिर में 24 कुंडीय यज्ञशाला में देव आव्हान के साथ 24 कुंडों में आहुति का क्रम शुरू हो गया। यह महायज्ञ 13 दिसंबर तक किया जा रहा है। गायत्री परिवार के लोगों ने आज सुबह यज्ञशाला में देव आवाहन किया। देव आवाहन के पश्चात यज्ञ आचार्यों ने हरि प्रकाश अग्रवाल सहित गायत्री परिवार के मुख्य परिजनों के माध्यम से यज्ञ में आहुतियां डलवा ने का क्रम प्रारम्भ कर दिया। इसके बाद शहर के अन्य श्रद्धालुओं ने यज्ञ में सहभागिता की।

शाम 5 बजे से शांतिकुंज हरिद्वार से आए संतों द्वारा प्रवचन में उपस्थित जनों को मानव जीवन जीने के सूत्र और यज्ञ के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानव जीवन किसलिए प्राप्त होता है और उसका उद्देश्य क्या है। संतों ने यज्ञ के महत्व से अवगत करते हुए बताया कि यज्ञ से देवों का आवाहन किए जाने के साथ पर्यावरण भी शुद्ध होता है।

12 दिसंबर को सुबह 8 बजे से 24 कुण्डीय राष्ट जागरण गायत्री महायज्ञ प्रारम्भ हो जाएगा जो शाम 4 बजे तक निरंतर चलता रहेगा। शाम 5 बजे शांतिकुंज हरिद्वार से आए संतों द्वारा प्रवचन में जीवन के विभिन्न मत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला जाएगा।

आसमान से गिरे सोने के दाम, चांदी भी हो गई सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एक समय 63 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर चल रहा सोना अब सस्ता हुआ है। सोना आने वाले समय में और सस्ता हो सकता है। पिछले दिनों फेस्टिव सीजन के चलते सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली थी। अगर आप सोना खरीदने की योजना बना रहे हैं तो एक बार इसके लेटेस्ट रेट जरूर चेक कर लें।

क्या हैं गोल्ड के भाव

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी सोमवार की सुबह 5 फरवरी 2024 की डिलीवरी वाला सोना गिरावट के साथ 61,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। सोना बीते शुक्रवार की शाम को 61,719 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। वहीं 5 अप्रैल 2024 को डिलीवरी वाला सोना आज लुढ़कर 62,150 रुपये के भाव पर खुला है।

क्या है चांदी की कीमत

एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोमवार की सुबह 5 मार्च 2024 की डिलीवरी वाली चांदी गिरावट के साथ 72,539 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली है। वहीं 3 मई 2024 को डिलीवरी वाली चांदी आज 73,659 रुपये के स्तर पर खुली है।

सोने के वैश्विक भाव

सोमवार की सुबह सोने की वैश्विक कीमतों में भी गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.12 फीसदी या 2.40 डॉलर की गिरावट के साथ 2012.10 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 1996.64 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है।

चांदी की वैश्विक कीमत

सोने के साथ ही चांदी के वैश्विक भाव में भी सोमवार की सुबह गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.24 फीसदी या 0.06 डॉलर की गिरावट के साथ 23.22 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 22.95 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

बीते दिनों बढ़े थे दाम

सोने और चांदी की कीमतों में बीते दिनों तेजी देखने को मिली थी। सोने के भाव फेस्टिव सीजन की वजह से काफी बढ़े थे। गोल्ड की कीमत बढ़कर 63 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गई थीं। हालांकि अब इनमें गिरावट देखी जा रही है।

प्याज के बाद अब लहसुन की कीमतें मचा रहीं हाहाकार, कीमत जानकर खरीदने की नहीं होगी हिम्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। लहसुन के भाव सातवें आसमान पर हैं। कीमतों में लगातार उछाल आ रहा है। लहसुन अब आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगा है। रिटेल बाजार में लहसुन की कीमत 300 से 400 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई हैं। जानकारों के मुताबिक, लहसुन की कीमतों में और उछाल देखने को मिल सकता है। मौसम की मार के चलते लहसुन की फसल खराब हुई है। इसका असर लहसुन के उत्पादन पर पड़ा है। इस खराब फसल की वजह से आपूर्ति में गिरावट आई है। महाराष्ट्र में अब मुंबई के थोक व्यापारी गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान से लहसुन खरीद रहे हैं। इससे रसद लागत और बाकी स्थानीय शुल्क बढ़ गए हैं। इसका असर लहसुन की कीमतों पर पड़ा है।

इस वजह से बढ़ रहे भाव

मुंबई एपीएमसी के अशोक वालुंज के मुताबिक, मानसून के दौरान अपर्याप्त वर्षा और बाद में बेमौसम बारिश की वजह से लहसुन का उत्पादन कम हुआ है। बताया कि इसके चलते उन्हें गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश से आपूर्ति पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इससे भी लहसुन की कीमतें बढ़ रही हैं। व्यापारियों के मुताबिक, नई फसल को बाजार में आने में अभी समय लगेगा। ऐसे में तब तक कीमतें ऊंची रहने की उम्मीद है। अक्टूबर और नवंबर में बेमौसम बारिश के कारण कई हिस्सों में फसल बर्बाद हो गई।

दोगुना हुई कीमत

लहसुन की कम आपूर्ति के कारण पिछले कुछ हफ्तों में इसकी कीमत करीब दोगुना तक बढ़ चुकी है। व्यापारियों का अनुमान है कि स्थिति में जल्द सुधार नहीं होगा। अभी लहसुन की कीमतों में गिरावट के आसार नहीं हैं। वहीं उपभोक्ताओं को नए मूल्य स्लैब से भी परेशानी महसूस हो रही है, जो पिछले महीने एपीएमसी थोक यार्ड में 100-150 प्रति किलोग्राम के पिछले टैरिफ से 150-250 प्रति किलोग्राम पर बेचा जाता है। इस बदलाव ने खुदरा कीमत को अब 300 से 400 प्रति किलोग्राम तक पहुंचा दिया है।

कम हुई आवक

मौजूदा समय में थोक बाजार में प्रतिदिन 15-20 वाहन (ट्रक और मिनी वैन) आते हैं, जो 25 से 30 वाहनों की सामान्य आवक से कम हैं। वहीं दक्षिणी राज्यों से आवक भी काफी हद तक बंद हो गई है। इससे आपूर्ति की कमी बढ़ गई है। इनका असर लहसुन की कीमतों पर पड़ा है। लहसुन के भाव सातवें आसमान पर पहुंच गए हैं। एपीएमसी व्यापारियों के मुताबिक, ऊटी और मालापुरम से आपूर्ति में काफी गिरावट आई है, जिससे महंगाई बढ़ गई है। पिछले महीने की तुलना में कीमतें इस सीजन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। इससे रसोई के बजट पर असर पड़ा है।

कच्चे तेल में लगातार आ रही गिरावट, क्या आपके शहर में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल के भाव में अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले 8 दिनों से क्रूड ऑयल के भाव 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे बने हुए हैं। आज यानी सोमवार को डबल्यूटीआई क्रूड के दाम में 0.37 फीसदी की तेजी आई है। यह 71.49 डॉलर प्रति बैरल के रेट पर ट्रेड कर रहा है। वहीं बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.45 फीसदी उछाल के साथ 76.18 डॉलर प्रति बैरल के लेवल पर कारोबार कर रहा है। इस बीच तेल कंपनियों ने भी पेट्रोल-डीजल के नए रेट जारी कर दिए हैं। हालांकि आज यानी सोमवार को भी पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। तेल कंपनियों ने 11 दिसंबर 2023 को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रखी हैं। आखिरी बार पेट्रोल-डीजल के दाम में बदलाव मई 2022 में हुआ था। इसके बाद से दाम स्थिर बने हुए हैं।

आज सोमवार को देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार को पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। इसके अलावा चेन्नई में पेट्रोल का भाव 102.63 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल का भाव 94.24 रुपये प्रति लीटर है। वहीं, कोलकाता में सोमवार को पेट्रोल 106.03 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है।

नोएडा में सोमवार को पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.05 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। इसके अलावा चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं, लखनऊ में पेट्रोल का भाव 96.57 रुपये और डीजल की कीमत 89.76 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल-डीजल के भाव रोजाना बदलते हैं और सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज का रेट आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल के कस्टमर ऋस्क्क स्पेस पेट्रोल पंप का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल के ग्राहक आरएसपी लिख कर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं।

हिंडनबर्ग रिसर्च के डंक से उबरा अडानी ग्रुप, जमकर पैसा लगा रहे हैं विदेशी निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतम अडानी की अगुवाई वाले अडानी ग्रुप के शेयरों में पिछले हफ्ते भारी तेजी आई। इससे ग्रुप के डॉलर बॉन्ड्स ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के कारण हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई कर ली है। अडानी ग्रुप ने अपने एक रिन्यूएबल प्रोजेक्ट के लिए 1.4 अरब डॉलर जुटाए हैं और साथ ही सितंबर में मैच्योर होने वाले 75 करोड़ डॉलर के बॉन्ड की रिफाइनेंसिंग की योजना बनाई है। पिछले हफ्ते ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों की मार्केट वैल्यू में 37.5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। इससे ग्रुप के बॉन्ड्स में भी तेजी आई है और वे जनवरी में हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने से पूर्व के स्तर के करीब पहुंच गए हैं। इससे साफ है कि निवेशक एक बार फिर अडानी ग्रुप के बॉन्ड्स का रुख कर रहे हैं। अमेरिका की शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने 24 जनवरी को अडानी ग्रुप के खिलाफ एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें ग्रुप पर कई तरह के आरोप लगाए गए थे। अडानी ग्रुप ने इन आरोपों से इनकार किया था लेकिन इस कारण ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। इस रिपोर्ट के आने के बाद से अडानी ग्रुप ने विदेशी बॉन्ड बाजार का रुख नहीं किया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक लंदन की फर्म नॉर्थ ऑफ साउथ कैपिटल में पार्टनर कामिल दिमिच ने कहा कि अडानी ग्रुप के पास कई बड़े एसेट्स हैं और वह उन्हें मॉनीटाइज कर सकते हैं। कई बिजनस के प्रॉफिटेबल बनने से उन्हें फायदा मिला है।

कैसा रहेगा परफॉरमेंस

अडानी ग्रुप की कंपनियों की डॉलर बॉन्ड्स में आउटस्टेंडिंग 7.5 अरब डॉलर है। इनमें से 1.58 अरब डॉलर के नोट्स अगले साल मैच्योर हो रहे हैं। ग्रुप पहले ही 3.5 अरब डॉलर के बॉन्ड्स को रिफाइनेंस कर चुका है। ग्रुप ने दो सीमेंट कंपनियों को फाइनेंस करने के लिए यह कर्ज लिया था। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के डायरेक्टर संजीव भसीन ने कहा कि अगले तीन साल में अडानी ग्रुप की कंपनियों के आउटपरफॉर्म करने की उम्मीद है क्योंकि उनके पास जबरदस्त एसेट्स है।

विदेशी निवेशकों ने बनाया नया रिकॉर्ड, सिर्फ 6 दिन में स्टॉक मार्कीट में निवेश किए 26,505 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने के पहले छह कारोबारी सत्रों में भारतीय इक्विटी बाजारों में 26,505 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसे तीन राज्यों में भाजपा की चुनावी जीत और मजबूत आर्थिक आंकड़ों का असर माना जा रहा है। इसके पहले अक्टूबर में एफपीआई ने 9,000 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त और सितंबर में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 39,300 करोड़ रुपए की निकासी की थी। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि आगे भी एफपीआई का निवेश प्रवाह जारी रहने की संभावना है।

आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने दिसंबर महीने में आठ तारीख तक भारतीय इक्विटी में 26,505 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। फिडेलफोलियो इन्वेस्टमेंट्स के संस्थापक किसलय उपाध्याय ने कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों के नतीजों ने एफपीआई प्रवाह को तेजी देने में अहम भूमिका निभाई क्योंकि इससे आगे चलकर राजनीतिक स्थिरता का संकेत मिलता है। विजयकुमार ने कहा, 2024 के आम चुनावों के बाद राजनीतिक स्थिरता रहने के संकेत, भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूत वृद्धि की रफ्तार, मुद्रास्फीति में गिरावट, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में लगातार कमी और ब्रेंट क्रूड की कीमतों में नरमी ने हालात को भारत के पक्ष में बदल दिया है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के सह निदेशक- शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अगले साल की पहली तिमाही से ब्याज दर में कटौती का संकेत दिया है जो ब्याज दर में तेजी का दौर खत्म होने का इशारा करता है। रुख में इस बदलाव से अन्य मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर कमजोर हुआ है। इसके अलावा अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड के प्रतिफल में आई गिरावट ने विदेशी निवेशकों को भारतीय इक्विटी बाजारों में निवेश के लिए प्रेरित किया है।

एफपीआई अग्रणी बैंकों को लेकर फिर से खरीदार बन गए हैं जहां पहले वे बिकवाल बने हुए थे। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, वाहन और पूंजीगत उत्पाद खंडों की बड़ी कंपनियों में भी खरीदारी देखी जा रही है। बॉन्ड के मामले में समीक्षाधीन अवधि के दौरान एफपीआई ने ऋष्ठा बाजार में 5,506 करोड़ रुपए का निवेश किया। इसके पहले नवंबर में छह साल के उच्चतम स्तर 14,860 करोड़ रुपए और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपए का निवेश आया था। विदेशी निवेशकों ने इस साल अब तक इक्विटी बाजारों में 1.31 लाख करोड़ रुपए और ऋष्ठा बाजारों में 55,867 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

सोडा बेचने वाले ने बना दी 1,700 करोड़ रुपये की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। वाडीलाल देश की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी आइसक्रीम कंपनियों में से एक है। गुजरात की इस कंपनी की शुरुआत 1907 में हुई थी और 100 साल से भी अधिक समय से इसका जादू लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। इस ब्रांड की कहानी कंपनी के संस्थापक वाडीलाल गांधी के साथ शुरू हुई। इसकी शुरुआत हाथ से चलने वाली स्वदेशी आइसक्रीम मशीन से हुई और आज यह ब्रांड 200 से भी अधिक फ्लेवर की आइसक्रीम बेचता है। इसका बिजनस 49 देशों में फैला है और कंपनी का मार्केट कैप 1700 करोड़ रुपये से अधिक है।

मिडिल क्लास परिवार से आने वाले वाडीलाल गांधी ने 1907 में गुजरात के अहमदाबाद में एक छोटी सोडा शॉप खोली। उनकी इस दुकान की लोकप्रियता गुजरात में तेजी से बढ़ने लगी। उन्होंने कोठी तकनीक का इस्तेमाल कर सोडा बेचने और आइसक्रीम बनाने की शुरुआत की। उस समय हाथ से चलने वाली मशीन का उपयोग करके बर्फ को नमक और दूध के साथ मिलाकर आइसक्रीम बनाई जाती थी। वाडीलाल थर्मोकोल के कंटेनरों में आइसक्रीम को बर्फ की सिल्लियों के बीच रखकर होम डिलीवरी किया करते थे। इसके बाद वह सोडे को आइसक्रीम के साथ मिलाकर पूरे राज्य में आइसक्रीम सोडा पॉप बेचने लगे।

वाडीलाल की आइसक्रीम इतनी टेस्टी होती थी कि कम समय में ही इसकी खूब डिमांड होने लगी। इस तरह कम समय में ही उनका बिजनस काफी सफल हो गया। आइसक्रीम बनाने का बिजनेस वाडीलाल गांधी ने अपने बेटे रणछोड़ लाल गांधी को सौंपा। उन्होंने अपने फैमिली बिजनस को आगे बढ़ाया और साल 1926 में जर्मनी से आइसक्रीम बनाने की एक मशीन मंगवाई। उसी साल उन्होंने देश में पहला आइसक्रीम आउटलेट खोला। साल 1950 में, रणछोड़ लाल ने कसाटा आइसक्रीम लॉन्च की जो काफी लोकप्रिय हुई। इसके साथ ही वाडीलाल की ब्रांड मेकिंग की भी शुरुआत हुई।

रणछोड़ लाल से बिजनस की कमान उनके बेटों रामचंदभाई और लक्ष्मणभाई गांधी को मिली। साल 1961 में, दोनों भाइयों ने मिलकर इसे पेशेवर तरीके से चलाने के लिए वाडीलाल आइसक्रीम प्राइवेट लिमिटेड बनाई। 1970 के दशक में जब मल्टीनेशनल कंपनियों ने भारत का रुख किया तो वाडीलाल पहले ही अपना सिक्का जमा चुकी थी। कंपनी ने नए-नए फ्लेवर निकालकर भारतीय बाजार में अपनी पहचान बनाए रखी। साथ ही कंपनी ने विदेशों में भी अपना कारोबार फैलाया। साल 1991 में, वाडीलाल ने प्रोसेस्ड फूड बिजनस में भी कदम रखा और वाडीलाल क्विक ट्रीट्स लॉन्च किया।

विदेशों में डिमांड

विदेशों खासकर अमेरिका में वाडीलाल के फ्रोजन प्रॉडक्ट्स को काफी पसंद किया जाने लगा। 1995 में यह कंपनी अमेरिका में फ्रोजन सब्जियां पेश करने वाला पहला भारतीय ब्रांड बन था। वाडीलाल ने ग्राहकों की मांग को ध्यान में रखते हुए अपने उत्पादों में काफी बदलाव किए। साल 2011 में कंपनी ने बडाबाइट, फ्लिंगो और गॉरमेट जैसी महंगी आइसक्रीम लॉन्च की। आज वाडीलाल का बिजनस 49 देशों में फैला है। गांधी परिवार की पांचवीं पीढ़ी आज बिजनस को संभाल रही है। इस मशहूर आइसक्रीम ब्रांड का मार्केट कैप 1700 करोड़ रुपये से अधिक है। वाडीलाल ग्रुप आइसक्रीम ब्रांड के अलावा प्रोसेसिंग फूड, ब्रेड और अन्य शाकाहारी खाद्य पदार्थों का बिजनस भी करता है। वाडीलाल आइसक्रीम अमेरिका में सबसे अधिक बिकने वाले भारतीय आइसक्रीम ब्रांड के रूप में उभरी है।

मिंत्रा ईओआरएस-19 सभी श्रेणियों में 23 लाख से अधिक शैलियों के साथ मौजूद है

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े फैशन शॉपिंग कार्यक्रमों में से एक, मिंत्रा की एंड ऑफ रीज़न सेल (ईओआरएस) का 19वां संस्करण, देश भर में लाखों फैशन प्रेमियों को लुभाने के लिए, शादी, पार्टी और छुट्टियों के मौसम के बिलकुल ठीक समय पर लौटने के लिए तैयार है। 6000 से अधिक प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और डी2सी ब्रांडों के फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल के 23 लाख से अधिक प्रोडक्ट्स को फीचर करता यह संस्करण एक बेहतरीन स्केल पर खरीदारी के बेहतर अनुभव का वादा करता है। ईओआरएस 19 के दौरान जिन श्रेणियों पर ग्राहकों का ज़्यादा ध्यान आकर्षित होने की उम्मीद है, उनमें पुरुषों के कैजुअल कैजुअल वियर, पुरुषों और महिलाओं के एथनिक, महिलाओं के वेस्टर्न वियर, ब्यूटी और पर्सनल केयर, घड़ियां और वियरेबल्स , विंटर एसेंशियल, एक्सेसरीज, स्पोर्ट्स फुटवियर और किड्स वियर शामिल हैं। कई ब्रांडों में एच एंड एम, नाइकी, एडिडास, मैक, जैक एंड जोन्स, लेवीज, लैक्मे, रेयर रैबिट, प्यूमा, बोट, वाइल्डक्राफ्ट, मेबेलिन, वनप्लस, मैंगो, फॉरएवर 21 और रोडस्टर शामिल हैं। ईओआरएस-19 में एक घड़ियाँ और वियरेबल केटेगरियाँ शामिल होगी, जो वेडिंग गिफ्ट्स के लिए बिल्कुल उपयुक्त है।

प्राइम फ्रेश लिमिटेड ने उत्तराखंड सरकार को एमओयू सौंपा

अहमदाबाद , एजेंसी। नेशनल फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स सप्लाई चेन मैनेजमेंट लैंडस्केप में एक लीडिंग प्लेयर, प्राइम फ्रेश लिमिटेड ने उत्तराखंड सरकार को एक समझौता ज्ञापन प्रस्तुत किया है, जिसके तहत कंपनी, उसकी सहयोगी समूह की कंपनियों और उसके साझेदार या ऐसी कोई भी नई कंपनी जो आने वाले 5 वर्षों में उत्तराखंड राज्य में अनेक वैल्यू चेन स्थापित करने, एंड टू एंड एग्री बिज़नेस संबंधित प्रोजेक्ट्स जैसे कि खेती, रूरल इकोसिस्टम, डेवलपमेंट आदि के लिए 33-40 करोड़ रुपये के इन्वेस्टमेंट का प्रस्ताव ऑफर करती है।

प्राइम फ्रेश फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स सप्लाई चेन मैनेजमेंट में एग्रीकल्चर इनपुट्स सेलिंग, फार्मिंग, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट से लेकर मार्केट लिंकेज और फूड प्रॉसेसिंग, वैल्यू एडिशंस तथा सीधे कंज्यूमर प्रोजेक्ट्स तक विभिन्न पहलों और नई परियोजनाओं पर काम कर रहा है।

मास्टर मेंटर्स जियो एनेबलिंग इंडियन स्कॉलर्स प्रोग्राम लांच करने के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। अग्रणी इंडियन पब्लिक पॉलिसी थिंक टैंक सेंटर फॉर नॉलेज सॉवरेनटी (सीकेएस) और एंड टु एंड जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जीआईएस) सॉल्यूशंस में उद्योग की अग्रणी एसरी इंडिया टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड ने इस देश में ÷मास्टर मेंटर्स जियो एनेबलिंग इंडियन स्कॉलर्स÷(एमएमजीईआईएस) प्रोग्राम लांच करने के लिए आज हाथ मिलाया। इस प्रोग्राम का लक्ष्य आठवीं कक्षा से स्नातक स्तर के विद्यार्थी हैं और इसके तहत भारत को जियोस्पैटियल टेक्नोलॉजी के लिए भारत को एक ग्लोबल स्किलिंग और इन्नोवेशन हब बनाने का लक्ष्य रखा गया है। यह प्रोग्राम एक मजबूत आईपी रूपरेखा तैयार करने की दिशा में भी काम करेगा जिससे एक वैश्विक जियोस्पैटियल इन्नोवेशन हब बनने की दिशा में अपनी यात्रा में भारत अधिक से अधिक पेटेंट हासिल कर सके। यहां इसरो के पूर्व चेयरमैन श्री किरण कुमार की मौजूदगी में इस सहमति ज्ञापन पर सेंटर फॉर नॉलेज सॉवरेनटी के सचिव श्री विनीत गोयनका और एसरी इंडिया के प्रबंध निदेशक श्री अगेंद्र कुमार द्वारा हस्ताक्षर किया गया।

पीएनबी ने अपने ग्राहकों से 18 दिसंबर तक केवाईसी विवरण अद्यतन करने का आग्रह किया है

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दिशानिर्देशों के अनुपालन में, देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों से 18.12.2023 से पहले अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) जानकारी अपडेट करने के लिए कहा है। ताकि उनके खातों का सुचारू कामकाज सुनिश्चित हो सके। यह केवल उन ग्राहकों के लिए लागू है जिनके खातों में 30.09.2023 तक केवाईसी अपडेट होना शेष था। केवाईसी अनुपालन अभ्यास के हिस्से के रूप में, पीएनबी ग्राहकों से अनुरोध किया जाता है कि वे अपनी अद्यतन जानकारी जैसे पहचान प्रमाण, पता प्रमाण, नवीनतम फोटो, पैन, आय प्रमाण, मोबाइल नंबर (यदि उपलब्ध नहीं है) या कोई अन्य केवाईसी जानकारी अपनी आधार शाखा को प्रदान करें। यह पीएनबी वन, इंटरनेट बैंकिंग सर्विसेज (आईबीएस), पंजीकृत ईमेल/पोस्ट, या किसी भी शाखा में 18.12.2023 तक व्यक्तिगत रूप से जाकर किया जा सकता है। निर्धारित समय के भीतर केवाईसी विवरण अद्यतन करने में विफलता के परिणामस्वरूप खाता संचालन पर प्रतिबंध लग सकता है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने बचत और चालू खातों के लिए बॉब परिवार खाता शुरू किया

मुंबई। बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बैंक), भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक ने बचत और चालू खातों के लिए बॉब परिवार खाता का शुभारंभ किया। %मेरा परिवार, मेरा बैंक% सेगमेंट, जिसे बैंक के ÷बॉब के संग त्योहार की उमंग÷ उत्सव अभियान के एक हिस्से के रूप में शुरू किया गया है, एक परिवार के सदस्यों से संबंधित सभी बैंक खातों को एक परिवार के तहत जोड़ता है। इसके तहत प्रत्येक खाता प्राथमिक खाताधारक द्वारा स्वतंत्र रूप से संचालित करने के साथ, तिमाही औसत शेष (क्यूएबी) का रखरखाव ग्रुप/परिवार स्तर पर दर्ज किया जाएगा,जिससे प्रत्येक खाते में क्यूएबी बनाए रखने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अलावा, समग्र रूप से संवर्धित संबंधों के कारण यह परिवार के प्रत्येक सदस्य को उत्सव के समय कई प्रकार के लाभ का एक्सेस प्रदान करता है। बॉब परिवार सुविधा नए और मौजूदा दोनों ग्राहकों के लिए उपलब्ध है।

भारत के अग्रणी फर्नीचर ब्रांड रॉयलओक फर्नीचर ने भोपाल में अपना स्टोर लॉन्च किया

भोपाल । रॉयलोक फर्नीचर ने अपनी पैन-इंडिया विकास रणनीति के तहत और भारत के प्रमुख फर्नीचर ब्रांड के रूप में अपनी उपस्थिति को मजबूती से बनाए रखते हुए, मध्य प्रदेश के भोपाल में अपनी पहली और देश की 165वीं शाखा की शुरुआत की है। रॉयलओक फर्नीचर के भोपाल स्टोर का उद्घाटन आज विशेष आयोजन में किया गया, जिसमें विजय सुब्रमण्यम - रॉयलओक फर्नीचर के अध्यक्ष, मथन सुब्रमण्यम प्रबंध निदेशक, किरण छाब्रिया फ्रैंचाइजी प्रमुख, पराग गौतम - राज्य प्रमुख (उत्तर और पश्चिम क्षेत्र), ए के शर्मा भूमि मालिक, उपस्थित रहे। इस अवसर पर फ्रेंचाइजी के मालिक पिताम्बर वाधवानी, दिलीप साधवानी और अलंकार वाधवानी ने सम्मानित अतिथियों का आदर सत्कार के साथ स्वागत किया।

कच्चीढाना खदान का जहरीला पानी कहान नदी में छोड़ा जा रहा है

कच्चीढाना खदान पर हो कार्यवाही ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन पीड़ितों को नहीं मिला न्याय तो होंगा आंदोल

सौंसर। सौसर तहसील के रामपेठ पंचायत के अंतर्गत ग्राम कच्चीढांना में संचालित होने वाली कृष्णापिंग एलायज प्रा.लि कम्पनी पलासपानी मेगनीज माईन्स सौसर प्रबंधन के द्वारा किसानों के साथ में किये जा रहे व्यवहार एवं खनिज उत्खनन से ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही परेशानी को लेकर पीड़ित किसानों ने पूर्व विधायक अजय चौरे के नेतृत्व में सोमवार को पांढुर्णा जिला मुख्यालय पर पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए कार्रवाई एवं न्याय की गुहार लगाई है। इस दौरान किसानों के द्वारा मैनेजर खदान संचालक के खिलाफ नाम जद शिकायत की है। ज्ञापन में किसानों ने बतायाग्राम कच्चीढाना के आदिवासियों की निवास की भूमि को खदान कंपनी के द्वारा पुर्नवसन के नाम पर हड़प लि गई है। ग्रामीनो को दैनिक मूलभूत सुविधाओं से बंचित किया गया है। किसानों के पुर्नवसन करने के पश्चात ग्राम वासीयों के द्वारा जहां पर मकान का निर्माण किया गया है। उस प्लाट के पावती पट्टे,राजस्ट्री,मालिकाना हक आदि 8 साल में नही दिये। ग्रामीनो के सवैधानिक अधिकारों का हनन किये जाने एवं कंपनी द्वारा ग्रामवासीयो पर डरा धमकाकर झूठे मुकदमे दर्ज किये गए है। ग्रामीणों के द्वारा कंपनी प्रबंधन पर करवाई और न्याय देने की मांग की है।

ज्ञापन में पीड़ित किसानों ने लगाए गंभीर आरोप.

कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में ग्रामीणों ने साफ तौर पर बताया की कच्चीढाणा कपनी मैनेजर के द्वारा ग्राम वासियों का डराया धमकाया जाता है। साथ ही पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है। वही रजिस्ट्री पट्टे,मालिकाना हक पुर्नवसन संबंध में जब किसानों के द्वारा न्याय की मांग की जाती है। तब खदान कंपनी प्रबंधन मैनेजर के द्वारा ग्रामीणों की झूठी शिकायत पुलिस को कर किसानों को डराया धमकाया जाता है। बार बार पुलिस थाना बुलाया जाता है, पूर्व में कंपनी प्रबंधन के द्वारा प्रशासन के साथ मिलकर किसानों झुठे प्रकरणों में फसाने की बात भी कलेक्टर के सामने किसानों ने रखी।

कंपनी प्रबंधन जहरीले पानी को छोड़ रहा है कहान नदी में

ज्ञापन के दौरान ग्रामीण फारुख शेख, हिरामन उइके ने बताया कि कच्चीढाणा खदान में शासन के गाइडलाइन के बाहर जाकर और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर उत्खनन किया जा रहा है। खदान कपनी प्रबधन के सालों का जमाना गुजर जाने के बावजूद भी यहां परिसर में सिवरेज ट्रीटमेंट प्लाट नहीं बनाया गया।खदान कंपनी के परिसर में सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट नही होने से खदान कंपनी से निकलने वाला जहरीला दूषित पानी कन्हान नदी में सीधा छोड़ा जा रहा है। कहान नदी इस क्षेत्र की जीवनदाहिनी नदी कही जाती है। नियामो के विरुद्ध जाकर हो रहे बेतहाशा उत्खनन के कारण ग्रामवासियों को जल, वायु प्रदूषण की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जो कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अनुसार प्राण एवं दैहिक स्वतन्त्रता, स्वास्थ्य का अधिकार, प्रदूषण मुक्त हवा का अधिकार, गुणवत्तापूर्ण जीने का अधिकार का प्रावधान है। उसको प्रदाय किये बिना मैगनीज खदान मालिकों के द्वारा उपरोक्त सुविधाओं को अमल में नहीं लाया गया और उन्हें धूल, अवैध कार्य हेतु लगाई गई हेवी ब्लास्टिंग की मशीन द्वारा ध्वनि प्रदूषण भी कर वातावरण को दूषित कर दिया गया है।

इनका कहना

विगत 9 सालों से कच्चीढाणा खदान प्रबंधन के द्वारा ग्रामीणों के साथ में धोखा किया जा रहा है।नियमों के विरुद्ध जाकर खदान का संचालन हो रहा है। वही खदान से निकलने वाले जहरीले पानी, ओवरलोड परिवहन,दमामी सड़क भूस्खलन, से ग्रामीणो का जीना दुश्वार हो गया है।वही सालों पूर्व एग्रीमेंट करने के बाद भी खदान प्रबंधन के द्वारा किसने ग्रामीणों को अब तक भूखंड का मालिककाना हक,रजिस्ट्री पट्टे,मंदिर मस्जिद कब्रिस्तान स्कूल सड़क, पानी की टंकी आंगनबाड़ी भवन आदि की सुविधा नहीं दी जा रही है। यहां पर पदस्थ मैनेजर और कंपनी प्रबंधन के द्वारा ग्रामीणों डराया धमकाया जा रहा है। कलेक्टर को ज्ञापन सोपा गया है। यदि न्याय नहीं मिला तो खदान प्रबंधन,प्रसासन के खिलाफ बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

अजय चौरे,पूर्व विधायक

रेत माफिया के हौसले बुलंदी, बिना डर भय के दिन में लाने लगे हैं रेत

जुन्नारदेव। इन दिनों खनिज विभाग से ले अन्य विभाग का खुल्ला संरक्षण मिल जाने से रेत माफियो के हौसले अब इतने बुलंद हो गए , कि अब बिना डर भय के रेत दिन में लाने लगे हैं, इतना ही नहीं अब दिन में रेत लाते हैं, और पूरी दिलेरी से सड़कों पर ट्रक से लायी रेत गिराते हैं, रेत माफिया से ले खनिज एवं तैनात अन्य विभाग दोनों जमकर चांदी काट रहे हैं ,जिले के कलेक्टर हो या एस.पी. अब इनमें भी दम नहीं है ,की क्षेत्र में जो यह अवैध व्यापार चल रहा है ,इसे बंद करा दे। सनद रहे कि यह अवैध व्यापार रेत पिछले काफी समय से क्षेत्र में चल रहा है किंतु उस समय माफिया डर के कारण रात्रि में चोरी छिपे लाते रहे, किंतु रेत माफिया ने खनिज एवं जुन्नारदेव के जवाबदार अधिकारियों की सेवा जब से दो गुनी कर दी है, अब वे रात्री के बजाय रेत ट्रैकों में दिन में लाने लगे हैं।

बड़े पैमाने पर चल रहे हैं निर्माण कार्य

समूचा क्षेत्र ग्राम पंचायत अम्बाडा से पालाचौरी, नजरपुर एवं जमकुंडा कोलांचल के नाम से जाना जाता है, इस बात के चलते क्षेत्र में रूपयो की कोई कमी नहीं है, इस बात के चलते क्षेत्र में छोटे से बड़े निर्माण कार्य बड़े पैमाने पर चल रहे हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव को छिंदवाड़ा के विकास पर विशेष ध्यान देना होगा
भाजपा की नजर लोकसभा सीट पर

गोविंद चौरसिया

छिंदवाड़ा। भाजपा ने मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाकर सबको चौंका दिया है। मोहन यादव उच्च शिक्षामंत्री रहते हुए छिंदवाड़ा आए थे। छिंदवाड़ा के भाजपा नेताओं से मोहन यादव का परिचय है। छिंदवाड़ा प्रदेश में इसलिए चर्चित जिला है क्योकि छिंदवाड़ा से कांग्रेस के कमलनाथ और नकुलनाथ प्रतिनिधित्व करते हैं। विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद पहली बार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान छिंदवाड़ा आए थे। तब उन्होने छिंदवाड़ा से लोकसभा चुनाव का आगाज कर दिया और छिंदवाड़ा लोकसभा जीतकर 29 कमल फूल की माला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पहनाने का वायदा किया है। विधानसभा चुनाव छिंदवाड़ा-पांढुर्ना जिले की सभी सीटें भाजपा हार गई दो कारण पहला कमलनाथ का मुख्यमंत्री बनना और भाजपा की गुटबाजी, भाजपा में गुटबाजी नहीं होती तो भाजपा दो तीन सीटें जीत सकती थी। प्रदेश में भाजपा की सरकार बन गई अगला लक्ष्य 2024 का लोकसभा चुनाव है भाजपा के रणनीतिकारों ने शिवराज सिंह चौहान को फ्री कर दिया है। और छिंदवाड़ा लोकसभा एक चुनौती पूर्ण सीट है। हो सकता है भाजपा शिवराज सिंह चौहान को लोकसभा का चुनाव लड़वा सकती है। शिवराज सिंह चौहान यदि लोकसभा लड़ते हैं, तो जिले में गुटबाजी खत्म हो जावेगी। मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने से प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष भी बदला जावेगाा ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष बदलते हैं तो जिला भाजपा के संगठन में भी फेरबदल होगा एवं किसी ऐसे चेहरे को जिलाध्यक्ष बनाया जावेगा जो सबको साथ लेकर चले इससे ही भाजपा का लोकसभा का लक्ष्य पूर्ण होगा। चूंकि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार नहीं है कमलनाथ अब विधायक हैं, नकुलनाथ सांसद हैं। अब उन्हें लोकसभा का चुनाव लड़ना भी भारी पड़ेगा। क्योंकि 2024 में नरेन्द्र मोदी को कोई प्रधानमंत्री बनने से रोक नहीं सकता जनता का मन अब बदल रहा है कि जब 2024 में नरेन्द्र मोदी को ही प्रधानमंत्री बनना है तो हम कांग्रेस को वोट क्यों दें। कमलनाथ का छिंदवाड़ा जिले से 43 साल से संबंध है तीसरी पीढ़ी के लोग भी उन्हें जानते हैं वे हमेशा कहते हैं कि मैं जनता के वोट से नहीं उनके प्यार से जीतता हूँ। प्रदेश में मुख्यमंत्री का चेहरा बदलने से जिले के विकास की भी बातें सामने आएगी। जब कमलनाथ मुख्यमंत्री थे तो उन्होने जिले के लिए खजाना खोल दिया था। किन्तु उनकी सरकार जाने के बाद सभी प्रोजेक्ट रोक दिए गए। जनता चाहती है कि जिले का विकास तेजी से हो इसीलिए उनके सभी प्रोजेक्टों को लाना पड़ेगा। छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय का मामला ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। मोहन यादव उच्च शिक्षा मंत्री भी रहे तो निश्चित ही छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय का मामला तेजी पकड़ सकता है। इसी तरह केन्द्र एवं राज्यों की योजनाओं में तेजी लाना होगा। तब ही लोकसभा में इसका परिणाम दिख पाएगा।

आज आयेंगे कमलनाथ व नकुलनाथ

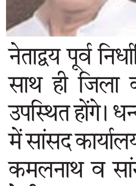

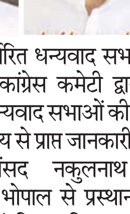

छिन्दवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ का आज चार दिनी प्रवास पर छिन्दवाड़ा आगमन होगा। आगमन उपरांत नेताद्वय पूर्व निर्धारित धन्यवाद सभाओं में सम्मिलित होने के साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में उपस्थित होंगे। धन्यवाद सभाओं की तिथि एवं स्थान के सन्दर्भ में सांसद कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ दिनांक 12 दिसम्बर को हेलीकाप्टर द्वारा भोपाल से प्रस्थान करेंगे। दोपहर 11 बजे नेताद्वय जामई में झिरना स्थित 48 क्वाटर घोड़ावाड़ी खुर्द (दमुआ) में धन्यवाद सभा को सम्बोधित करेंगे। दोपहर 12.30 बजे नेताद्वय का छिन्दवाड़ा आगमन होगा, तदोपरांत वे जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे।

कोल इंडिया पेंशनर की मासिक बैठक

छिन्दवाड़ा। कोल इंडिया सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ समिति शाखा छिन्दवाड़ा ,उप शाखा शिवपुरी की मासिक बैठक दिनांक 13/12/2023 दिन बुधवार को 12 बजे से सामुदायिक भवन, दुर्गा मंदिर के पास, शिवपुरी में महेश डेहरिया अध्यक्ष के नेतृत्व में होगी। शिवपुरी के उपाध्यक्ष मस्तान खान, अशोक उइके, कृष्णा मालवी, सुरेश धुर्वे, झनक पहाड़े एवं श्रीमती वहीदा बी ने शिवपुरी के आसपास के सभी रिटायर्ड पेंशनरों से अपील की है कि बैठक में पधारकर बैठक को सफल बनाये ।

राकेश ठाकुर को सौंपी जिम्मेदारी

छिन्दवाड़ा। कांग्रेस सेवादल में अमरवाड़ा नगर अध्यक्ष पद पर नवनियुक्ति की गई है। जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सुरेश कपाले ने संगठन के वरिष्ठ नेताओं की सहमति उपरांत कांग्रेस सेवादल में अमरवाड़ा नगर अध्यक्ष पद पर राकेश उर्फ मुन्ना ठाकुर को मनोनीत किया है। अपनी नियुक्ति के प्रति राकेश ने कांग्रेस के समस्त पदाधिकारियों का आभार माना है। नवनियुक्त पदाधिकारी को कांग्रेस सेवादल के समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने बधाई व शुभकामनायें दी है।

दो बून्द पोलियो की दवा 166 बच्चों को पिलाई गई

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के परासिया नगर पालिका वार्ड क्रमांक 15 के आंगनवाडी केन्द्र में दो बून्द जिन्दगी की पोलियो की दवा 166 बच्चों को पिलाई गई । सुबह से 1 से 5 वर्ष के बच्चे आंगनवाड़ी के अपने परिजनों के साथ पहुँचे । शाम 5 बजे तक 166 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई । बच्चों का बजन तोला गया पाल्स पोलियो अभियान के तहत बाल सभा का आयोजन किया गया । जिसमें बच्चों को कहानी गीत चुटकुले सुनाए गए।खीर पूड़ी खिलाई गई । रजक समाज के जिला अध्यक्ष श्री बसन्त मालवी ने बच्चों को बिस्किट चॉकलेट वितरण किये । कार्यक्रम में गर्भवती महिला श्रीमती ज्योति धुर्वे एवं धात्री महिला श्रीमती मोनिका राजपूत उपस्थित थी । कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती राज कुमारी डेहरिया सहायिका श्रीमती रानी नुनाहरिया आशा कार्यकर्ता अमीना मंसूरी एवं वार्डवासी उपस्थित थे ।

ठंड से बचाव के लिये की गई अलाव की व्यवस्था

छिन्दवाड़ा। जिले में शीत ऋतु में तापमान में कमी के दृष्टिगत कलेक्टर श्री मनोज पुष्प द्वारा दिये गए निर्देशों के परिपालन में आयुक्त नगर पालिक निगम श्री राहुल सिंह राजपूत द्वारा छिन्दवाड़ा नगर के बस स्टैंड स्थित मानसरोवर कॉम्पलेक्स, रेलवे स्टेशन, जगन्नाथ स्कूल के पास रैन बसेरा, कलेक्ट्रेट स्थित रैन बसेरा आदि स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की गई है। इन अलावों से लोगों का ठंड से बचाव हो रहा है। इसके अलावा जिले के अन्य सभी नगरीय निकायों में भी ठंड से बचाव के लिये अलाव की व्यवस्था की गई है।

विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा के तहत रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी, रंगोली प्रतियोगिता

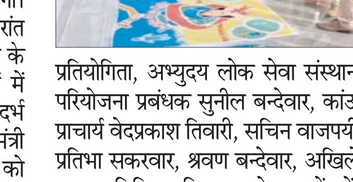

छिन्दवाड़ा। म.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के सहयोग से अभ्युदय लोक सेवा संस्थान लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना छिन्दवाड़ा द्वारा सतपुड़ा विधि महाविद्यालय छिन्दवाड़ा में विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा के तहत रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी, रंगोली प्रतियोगिता, अभ्युदय लोक सेवा संस्थान टी. आई. परियोजना प्रमुख संदीप विश्वकर्मा, परियोजना प्रबंधक सुनील बन्देवार, कांउसलर इरसाद अली, सतपुड़ा विधि महाविद्यालय प्राचार्य वेदप्रकाश तिवारी, सचिन वाजपयी, आनन्द वाजपयी, डॉ अम्रता सिरपुरकर, श्रीमती प्रतिभा सकरवार, श्रवण बन्देवार, अखिलेश पाण्डे, विनोद झावरे आदि उपस्थित रहें। रैली सतपुड़ा विधि महाविद्यालय से बस स्टेंट में नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुती देते हुए परासिया रोड़ षष्टी माता मंदिर मोहन नगर तक निकाली गई। संस्था प्रमुख द्वारा विश्व एड्स दिवस की जानकारी देते हुए कहा कि हमें इसकी जानकारी जन समुदाय तक भेजे। म.प्र.राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा इस बार की थीम समुदाय को नेतृत्व करने दे। इरसाद अली द्वारा एच.आई.व्ही. ओर एड्स पर विस्तार पूर्वक बताया गया साथ ही समाज में व्याप्त एच.आई.व्ही. के प्रति लोगो में कई तरह की भ्रांति भी है, जिसको बारीकी से समझाया। इसके बाद प्रतियोतिगा में भाग लिए समस्त प्रतिभागी को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरूस्कार वितरण किया गया साथ ही प्रमाण पत्र भी दियें गये। कार्यक्रम में हेल्थ केम्प का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के जनसमुदाय को भी शामिल किया गया। सुनील बन्देवार द्वारा कार्यक्रम का समापन में विधि महाविद्यालय के समस्त परिवार का आभार व्यक्त किया गया।

वैश्य महासम्मेलन के केलेंडर वर्ष 2024 का विमोचन
सभी तहसीलो में एक साथ सम्पन्न होगा विमोचन

छिंदवाड़ा। तहसील एव छिंदवाड़ा ग्रामीण तहसील के केलेंडर का विमोचन प्रातः 10 बजे छप्पन भोग छोटा तालाब छिंदवाड़ामें विजय झांझरी जी प्रदेश महामंत्री वैश्य महासम्मेलन म.प्र विशेष उपस्थिति में सम्पन्न होगा। इसे साथ साथ ही सौसर तहसील में दोपहर 12 बजे रमेश जाखोटिया जिला अध्यक्ष, गोविंद अग्रवाल जिलाध्यक्ष पांढुर्णा की विशेष उपस्थिति में,पांढुर्णा तहसील में 3 बजे शाम इंदु डागा जिला प्रभारी पांढुर्णा जिला, विशाल महेश्वरी जिलाध्यक्ष युवा इकाई की विशेष उपस्थिति में, चौरई तहसील में दोपहर 12 बजे श्री प्रभुनारायण नेमा जिला प्रभारी, प्रदीप जैन स्नेही की विशेष उपस्थिति में,चाँद तहसील मे दोपहर 2 बजे विकास वात्सल्य संभागीय अध्यक्ष युवा इकाई, तारण जैन, जिला महामंत्री तहसील प्रभारी चौरईकी विशेष उपस्थिति में,तामिया तहसील में दोपहर 12.30 बजे नीरज भारद्वाज प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, श्रीमती किरण सोनी संभागीय अध्यक्ष महिला इकाई की विशेष उपस्थिति में, परासिया तहसील में दोपहर 2.30 बजे श्रीमती सुधा सोनी संभागीय प्रभारी महिला इकाई, प्रशांत सोनी कोषाध्यक्ष की विशेष उपस्थिति में,हर्रई तहसील में दोपहर 12 बजे श्रीमती प्रतिमा नेमा अध्यक्ष महिला इकाई, श्रीमती सोनिया नेमा तहसील प्रभारी अमरवाड़ा की विशेष उपस्थिति में अमरवाड़ा तहसील में दोपहर 2.30 बजे जे पी नेमा कार्यकारी अध्यक्ष, श्रीमती सविता पाटनी प्रभारी महिला इकाई, की विशेष उपस्थिति में, जुन्नारदेव तहसील दोपहर 2 बजे हनुमानप्रसाद पोद्दार जिला मार्गदर्शक एवं नरेंद्र अग्रवाल अध्यक्ष ग्रामीण तहसील छिंदवाड़ा की विशेष उपस्थिति में, उमरेठ तहसील में शाम 4 बजे राकेश जैन तहसील अध्यक्ष जुन्नारदेव एवं रमेश राय महामंत्री की विशेष उपस्थिति मे,मोहखेड़ तहसील दोपहर 12.30 बजे धर्मेंद्र साहू जिला प्रभारी युवा इकाई एवं शुभम साहू युवा इकाई की विशेष उपस्थिति में, बिछुआ तहसील दोपहर 3.30 बजे अनिल सिंघई अध्यक्ष तहसील छिंदवाड़ा, मदन साहू तहसील प्रभारी उमरेठ की विशेष उपस्थिति में सम्पन्न होगा।

अनुभूति प्रेरक प्रशिक्षण एक दिवसीय पाठशाला

छिंदवाड़ा। मप्र ईको पर्याटन विकास बोर्ड मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती समीता राजोरा अपर प्रधान वन संरक्षक (वन प्राणी संरक्षण) के दिशा निर्देश पर आयोजित अनुभूति कार्यक्रम मै भी बाघ की थीम पर 15 दिसंबर से 31 जनवरी तक स्कूली छात्र एवं छात्राएँ को जगल की सैर आयोजित होने वाले अनुभूति कार्यक्रम मे छिन्दवाडा जिले दक्षिण वनमंडल सामान्य अनादि बुधोलिया उपवनमंडल अधिकारी के मार्गदर्शन मे अनुभूति कार्यक्रम के तहत दक्षिण वनमंडल से प्रस्तावित नवीन प्रेरकों को प्रशिक्षण की पाठशाला लगाई गई। दक्षिण वनमंडल खुटामा में प्रशिक्षण आयोजित किया गया । जिसमे जे पी शिवहरे रिटायर्ड ए सी एफ एवं मोहन साहू मास्टर ट्रेनर द्वारा ईको टूरिजम बोर्ड द्वारा आयोजित अनुभूति कार्यक्रम पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई एवं अमला कषठागार मे वन भ्रमण करया वन एवं वन्य प्राणी सुरक्षा,जैव विविधता, पर्यावरण संरक्षण,जल संरक्षण, मिशन लाईफ, औषधीय पौधे आदि विषयों पर नवीन प्रेरक को मास्टर ट्रेनर ईको पर्याटन विकास बोर्ड द्वारा जानकारी दी गई ।

भ्रष्ट कर्मचारियों को संरक्षण देने के विरोध में दिया धरना

छिंदवाड़ा(आठवीं बटालियन में तैनात भ्रष्टाचार के आरोप में बर्खास्त कर्मचारी को शासकीय सुविधा देने के विरोध में एकदिवसीय धरना स्थानीय एस. ए .एफ . गेट के सामने संपन्न हुआ। धरने पर बैठे भारतीय जनता पार्टी के नेता, पूर्व पार्षद संतोष राय ने बताया कि 2014 से बटालियन के अधिकारियों को भ्रष्ट कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए शासन की सुविधा जैसे आवास, बिजली, पानी से वंचित करते हुए शासकीय आवास से बेदखल करने की मांग लगातार की जा रही थी। लेकिन अधिकारीगण मामले को लगातार टालते रहे। आज नोटिस जारी करते हैं, कल खाली करा लेंगे ऐसा कहते हुए विगत 10 वर्षों से टाला-मटोली कर रहे थे। इसके विरोध में धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन के दौरान प्रशासन एवं बटालियन के अधिकारियों से भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारी को तत्काल शासकीय आवास से बेदखल करने की मांग की गई। धरने के पश्चात भी अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचारी कर्मचारी को संरक्षण दिया गया तो आगे और आंदोलन को तेज करने की चेतावनी भी दी गई । धरने में पूर्व पार्षद संतोष राय शिव मालवी, हरिओम सोनी, शोभना राय, नीलेश द्विवेदी ,अभिषेक राय, प्रकाश शर्मा, योगेंद्र ठाकुर, आभा शर्मा, कृष्णा यादव, मंगला राउत , वंदना बजाज, संतोष पवार, राजा डेहरिया समेत क्षेत्रीय नागरीक गण उपस्थित थे। धरने में बैठने से पूर्व उपस्थितों द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए धरना कार्यक्रम प्रारंभ किया गया ।

हर व्यक्ति तक अपनी पहुंच बना रहा हैं मोबाइल वाणी: गुर्वे

सौंसर। सामुदायिक मोबाइल वाणी मीडिया चैनल के बैतूल एवं छिंदवाड़ा के रिपोर्टर की एक दिवसीय कार्यशाला वन विभाग के विश्राम गृह में संपन्न हुई। कार्यशाला शुभारंभ पर वरिष्ठ पत्रकार एवं रेसनालिस्ट पीकेएस गुर्वे ने कहा की मोबाइल वाणी अब हर व्यक्ति तक अपनी पहुंच बनाने में कामयाब हो रहा हैं । उन्होंने अपने व्यक्तव्य में कहा की मोबाइल वाणी एक ऐसा माध्यम है जो मात्र एक मिस कॉल के जरिए सर्वसाधारण व्यक्ति भी नि- शुल्क सुन सकता है । प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ पौधा पूजन कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में ग्राम वाणी झारखंड से सिनियर मैनेजर श्रीमती अमृता औझा मैडम ने मोबाइल वाणी क्या है, समुदाय के बिच क्या काम करता है। रिपोर्टर की भुमिका एवं मोबाइल वाणी पर संचालित कार्यक्रम तथा इंफेक्ट स्टोरी पर सविस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में मोटीवेशनल अधिवक्ता मधुकर गायकवाड़ ने भी रिपोर्टरों से रुबरु होकर मोबाइल वाणी एवं मोबाइल वाणी से संबंधित उनके अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा की मोबाइल वाणी पर किस तरह समस्या रिकार्ड कर उसे शेयर करने पर खबर का असर दिखाई देता है साथ ही मोबाइल वाणी पर प्रसारित पक्ष-विपक्ष, गुर्वेजी की डायरी एवं मेरा गांव मेरी पहचान कार्यक्रम की सराहना की ।

विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा के तहत रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी, रंगोली प्रतियोगिता

छिन्दवाड़ा। म.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल के सहयोग से अभ्युदय लोक सेवा संस्थान लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना छिन्दवाड़ा द्वारा सतपुड़ा विधि महाविद्यालय छिन्दवाड़ा में विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा के तहत रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी, रंगोली प्रतियोगिता, अभ्युदय लोक सेवा संस्थान टी. आई. परियोजना प्रमुख संदीप विश्वकर्मा, परियोजना प्रबंधक सुनील बन्देवार, कांउसलर इरसाद अली, सतपुड़ा विधि महाविद्यालय प्राचार्य वेदप्रकाश तिवारी, सचिन वाजपयी, आनन्द वाजपयी, डॉ अम्रता सिरपुरकर, श्रीमती प्रतिभा सकरवार, श्रवण बन्देवार, अखिलेश पाण्डे, विनोद झावरे आदि उपस्थित रहें। रैली सतपुड़ा विधि महाविद्यालय से बस स्टेंट में नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुती देते हुए परासिया रोड़ षष्टी माता मंदिर मोहन नगर तक निकाली गई। संस्था प्रमुख द्वारा विश्व एड्स दिवस की जानकारी देते हुए कहा कि हमें इसकी जानकारी जन समुदाय तक भेजे। म.प्र.राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा इस बार की थीम समुदाय को नेतृत्व करने दे। इरसाद अली द्वारा एच.आई.व्ही. ओर एड्स पर विस्तार पूर्वक बताया गया साथ ही समाज में व्याप्त एच.आई.व्ही. के प्रति लोगो में कई तरह की भ्रांति भी है, जिसको बारीकी से समझाया। इसके बाद प्रतियोतिगा में भाग लिए समस्त प्रतिभागी को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरूस्कार वितरण किया गया साथ ही प्रमाण पत्र भी दियें गये। कार्यक्रम में हेल्थ केम्प का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के जनसमुदाय को भी शामिल किया गया। सुनील बन्देवार द्वारा कार्यक्रम का समापन में विधि महाविद्यालय के समस्त परिवार का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में ओ.आर.डब्ल्यु सरोज भोंडे, वंदना अम्बाडकर, पदमा ठाकरे, नीतु षेण्डे व जितेन्द्र नायकवार का सहयोग रहा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा

ग्राम पंचायतवार और योजनावार लाभान्वित हितग्राहियों की सूची तैयार कर कार्यक्रम स्थल पर सूची का वाचन करायें: कलेक्टर

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर मनोज पुष्प ने निर्देश दिये कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत सभी विभाग प्रमुख अधिकारी और एसडीएम ग्राम पंचायतवार और योजनावार लाभान्वित हितग्राहियों की सूची तैयार करें तथा जिस स्थान पर यात्रा का कार्यक्रम होगा, वहां इस सूची का वाचन करायें । मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान और विकास यात्रा के दौरान सभी ग्राम पंचायतों में बनाये गये रजिस्टर का भी परीक्षण करें और जिन हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल गया है या जिन हितग्राहियों को लाभ नहीं मिल पाया है, उनकी सूची भी तैयार करें और हितग्राहीवार सत्यापन कर यह सुनिश्चित करें कि सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिल जाये । हितग्राहियों की पात्रता-अपात्रता का परीक्षण कर उन्हें पूर्व से ही इस संबंध में अवगत करा दें जिससे वे संतुष्ट रहें और कार्यक्रमों में सहभागिता भी करें । कलेक्टर पुष्प ने ये निर्देश आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में दिये। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर के.सी.बोपचे संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर रमेश कुमार मेहरा, आयुक्त नगरपालिक निगम राहुल सिंह राजपूत व उप संचालक कृषि श्री जितेन्द्र कुमार सिंह सहित सभी विभाग प्रमुख अधिकारी कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उपस्थित थे, जबकि सभी एसडीएम और खंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुये । कलेक्टर पुष्प ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में निर्देश दिये कि विधानसभावार यात्रा का रूट चार्ट तैयार रखें और जैसे ही यात्रा की तारीख निर्धारित होती है तो रूट चार्ट के अनुसार यात्रा प्रारंभ करें । यात्रा के दौरान जिन स्थानों पर बड़े कार्यक्रम होंगे, वहां पर उत्सवपूर्ण माहौल में कार्यक्रम आयोजित करें । इन स्थलों पर योजनाओं से संबंधित सफलता की कहानियों के वीडियो, फोटो प्रदर्शनी और विभिन्न योजनाओं में किये गये नवाचारों या अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियों का प्रदर्शन भी किया जा सकता है । स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा लोगों का उत्साहवर्धन भी किया जा सकता है । जनप्रतिनिधियों व अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के विचारों और योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों के अनुभव को भी साझा किया जा सकता है । कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य मेला और पेंशन, दिव्यांग पेंशन या अन्य योजनाओं से भी हितग्राहियों को लाभान्वित करें । उन्होंने निर्देश दिये कि यात्रा के दौरान जिन योजनाओं को निर्धारित किया गया है, उसकी जानकारी, योजना की प्रगति और प्रदेश व देश में योजना की रैंकिंग की जानकारी के साथ ही अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी भी आज ही अतिरिक्त कलेक्टर को उपलब्ध करायें। उन्होंने पंचायत उप निर्वाचन के अंतर्गत जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच व पंच के रिक्त पदों पर निर्वाचन की प्रक्रिया आयोग के दिशा निर्देशों के अनुसार संपन्न करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि पंच पद के लिये निर्विरोध निर्वाचन के लिये अभ्यर्थियों को प्रेरित किया जा सकता है, इस संबंध में भी प्रयास करें। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एक जनवरी 2024 की अर्हता तिथि के आधार पर फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया गया है।

सरपंच की आत्महत्या मामले में दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग
सरपंच, सचिव, रोजगार सहायकों ने सौपा ज्ञापन

परासिया। जनपद सभाकक्ष में संयुक्त बैठक जिला सरपंच संघ अध्यक्ष परसराम वर्मा की उपस्थिति में आयोजित कर शिलादेही सरपंच गणेश विश्वकर्मा को श्रद्धांजलि दी गयी और आत्महत्या मामले में दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की गई। सरपंच संघ अध्यक्ष विपिन श्रीवास्तव के नेतृत्व में समस्त सरपंच, सचिव और रोजगार सहायकों ने अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, जनपद सीईओ तथा एसडीओपी पुलिस को ज्ञापन सौपकर कार्यवाही की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि शीलादेही के सरपंच गणेश विश्वकर्मा द्वारा 9 दिसम्बर को आत्महत्या कर ली गई है। उनके सुसाइड नोट में पंचायत कार्यो में झूठे आरोप लगाकर प्रताड़ित करने पर जान देने की बात कही गई है। स्व. गणेश विश्वकर्मा की झूठी शिकायत कर अनावश्यक परेशान करने के कारण यह कदम उठाया गया है। त्वरित कार्यवाही करते हुये दोषी व्यक्तियों को सजा दिलाई जाये। सीएम हेल्पलाईन तथा आरटीआई एक अच्छी सुविधा है। लेकिन इसका अधिकांश उपयोग झूठी शिकायत करने में तथा दवाब बनाने परेशान करने के लिये किया जाता है। झूठी शिकायत करने वालों पर कार्यवाही की जाये। जिससे भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। शासकीय योजनाओं के मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन में भूमिका निभाने वाली ग्राम पंचायतों के पदाधिकारी अपना कार्य निष्ठा, लगन, ईमानदारी से कर सके इसके लिये उन्हें भय, दबाव मुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जाये। बैठक में पंचायत सचिव संगठन अध्यक्ष विनोद मर्सकोले, ग्राम रोजगार सहायक संघ अध्यक्ष सतीश राय, अंबाडा सरपंच भारती उईके, इकलहरा सरपंच साधना दास, रॉवनवाड़ा अरुण नावेद, सिरगोरी चित्रा डेहरिया, मायावाडी रीनू डेहरिया सहित सरपंच गण, पंचायत सचिव, जीआरएस उपस्थित थे

सीएम बनाए जाने के बाद क्या बोले मोहन यादव?

मैं पीछे की कुर्सी पर बैठा था, मैं चौंक गया...विकास जारी रहेगा

भोपाल। सियासी हलचल के बीच मध्य प्रदेश को नया मुख्यमंत्री मिल गया है। विधानसभा चुनावों में उज्जैन दक्षिण से जीत हासिल करने वाले मोहन यादव को मुख्यमंत्री की कुर्सी दी गई है। मुख्यमंत्री पद के लिए उनके नाम के ऐलान ने सभी को चौंका दिया है। अब 13 दिसंबर को मोहन भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में 20वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। नए मुख्यमंत्री बनने के बाद मोहन ने पत्रकारों से बातचीत की। उनका पहला बयान सामने आया है।

मीडिया से बातचीत करने के दौरान उनसे सवाल पूछा गया कि क्या आपको सीएम बनने की उम्मीद थी? इसपर मोहन यादव बोले- मैं तो पीछे बैठा हुआ था। बैठकर अपना काम कर रहा था। अचानक जब मेरा नाम का ऐलान हुआ, तो मैं चौंक गया। मैं सभी का दिल से आभार मानता हूं। ये पूरे प्रदेश की जनता और बीजेपी पार्टी का विश्वास है। यह बीजेपी ही है जो एक छोटे कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। लेकिन जो जिम्मेदारी मुझे मिली है, उसे पूरी तरह से निभाने की कोशिश करूंगा।

मामा की योजनाओं का अब क्या ?

वहीं प्रदेश में चल रही योजनाओं पर मोहन यादव ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान ने विकास के कई कार्य प्रदेश में शुरू किए हैं, वो काम जारी करेंगे। जो भी लोककल्याणकारी योजनाएं है वो आगे भी चलती रहेंगी। हालांकि लाड़ली बहना के लिए खाते में आने वाले पैसों पर उन्होंने कहा कि लाड़ली योजना के बारे में आने के बाद देखेंगे, लेकिन अच्छे कामों को जारी रखना हमारी प्राथमिकता होगी

श्री वीर तेजाजी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण गोरा ने पदभार ग्रहण किया

भोपाल। 14 मई 2023 को हुए जाट महाकुंभ में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने प्रदेश में श्री वीर तेजाजी कल्याण बोर्ड के गठन किया था आचार संहिता के पूर्व इसके अध्यक्ष नियुक्त कर दिए गए प्रदेश में आचार लागू होने से अब जाकर नव नियुक्त अध्यक्ष ने अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश जाट समाज के कमल पटेल, लक्ष्मीनारायण गोरा, प्रहलाद पटेल महापौर रतलाम, हरनारायण जाट माली, शिवजी पटेल, रामभरोस खेरवा, रंजीत किसानवंशी, मायाराम पटेल, श्रीराम पटेल छापरी, भागीरथ पटेल, श्याम सिंह पटियाला, राधेश्याम डूडी आदित्य नारोलिया विकास नारोलिया अशोक जाट तलेन बलराम सौदा अशोक पटेल मौजूद रहे।

जेपी अस्पताल परिसर में बनेगा रैन बसेरा, बाहर से आने वाले मरीजों के स्वजन को होगी सहूलियत

भोपाल। जेपी अस्पताल शहर का तीसरा सरकारी अस्पताल है, जहां बाहर से आने वाले लोगों के लिए रैन बसेरे की सुविधा होगी। अब तक हमीदिया अस्पताल व एम्स में दूरदराज से आने वाले मरीजों व स्वजन के लिए यह व्यवस्था थी।

बेंच पर या फर्श पर सोते हैं परिजन- अस्पताल प्रबंधन ने इसके बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रोजाना जेपी में 70-80 मरीज आकर भर्ती होते हैं। अस्पताल में वार्ड में एक मरीज के साथ एक परिजन के ही रुकने की अनुमति दी जाती है। इसके कारण रात में कई मरीजों के परिजन फर्श व बेंच पर सोते नजर आते हैं। ठंड के मौसम इसके चलते वे भी बीमार हो सकते हैं। इसी को देखते हुए रैन बसेरा बनाने का फैसला लिया गया है।

हनुमान मंदिर के पास बनेगा- जेपी अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक परिसर में मौजूद हनुमान मंदिर के पास रैन बसेरा बनाना तय किया गया है। इसका प्रस्ताव भी विभाग को भेज दिया गया है। मंजूरी मिलते ही इसका निर्माण शुरू किया जाएगा। नई व्यवस्था का परिजनों को ठंड से बचाने के लिए अलाव जलाया जाएगा। यह व्यवस्था तब तक रहेगी, जब तक शीतलहर का प्रकोप रहेगा।

जला रहे अलाव- सिविल सर्जन डा. राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि अस्पताल में रेन बसेरा तैयार करने की योजना है। रोगियों के साथ परिजनों को भी सुविधा देने के लिए यह व्यवस्था की जा रही है। फिलहाल ठंड से बचाने के लिए अलाव जलाया जा रहा है।

नए सीएम यादव पर उधारियां बहुत हैं...

भोपाल। लंबे मंथन के बाद बीजेपी ने सोमवार को मोहन यादव को मध्यप्रदेश का सीएम घोषित कर दिया है। अब उनसे जुड़ी हर बात लोग जानना चाहते हैं। आइए बताते हैं वे कितने पैसे वाले हैं और उनके ऊपर कितने की देनदारी है।

सीएम मोहन की कुल संपत्ति कितनी ?- कालकाल की नगरी उज्जैन के रहने वाले एमपी के नए सीएम मोहन यादव के पास कुल संपत्ति 42 करोड़ चार लाख 81 हजार रुपए है। इसके अलावा उन पर कुल 8 करोड़ 54 लाख 50 रुपए की देनदारी है।

मोहन यादव के पास डेढ़ लाख रुपए नकद - मोहन यादव ने 2022-23 में आईटीआर में 24 लाख रुपए की आमदनी घोषित की थी। साथ ही उनकी पत्नी सीमा यादव की आमदनी 7 लाख रुपए थी। मोहन यादव के पास 1 लाख 41 हजार 500 रुपए और उनकी पत्नी के पास 3 लाख 38 हजार 200 रुपए यानी कुल मिलाकर 4,79,700 रुपए नकद हैं।

कितना कर्ज है मोहन यादव पर- नए सीएम मोहन यादव पर कुल 8 करोड़ 54 लाख 50 रुपए का कर्ज है। ये कर्ज उन्होंने अलग-अलग वित्तीय संस्थाओं और अन्य माध्यमों से लिया हुआ है। उनके पास कुल 42 करोड़ की संपत्ति है। इसके साथ ही 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में घोषित नेताओं की टॉप थ्री लिस्ट में मोहन यादव का नाम दूसरे नंबर पर था।

मपी सरकार पर कितना कर्ज ?

मध्यप्रदेश सरकार पर 31 मार्च 2023 तक 3 लाख 31 हजार 651 करोड़ रुपए का कर्ज हो गया था। बजट अनुमान (वित्त वर्ष 2023-24) के अनुसार 31 मार्च 2024 तक यह आंकड़ा बढ़ाकर 3.85 लाख करोड़ होने का अनुमान है। मप्र विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के बाद प्रदेश में सरकार तीन बार कर्ज ले चुकी है। एमपी में 9 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के ऐलान के बाद आचार संहिता लागू हुई थी। एमपी की शिवराज सरकार ने अक्टूबर में 4 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया है, जबकि सितंबर में सरकार ने 4500 करोड़ रुपए का कर्ज किया था।

यहां भी कर रखा है इन्वेस्टमेंट

नए सीएम मोहन यादव ने बॉन्ड, डिबेंचर और कंपनियों में शेयर के रूप में कुल 6,42,71,317 (6 करोड़ 42 लाख 71 हजार, 317) का इन्वेस्टमेंट किया हुआ है। इसके साथ ही एनएसएस पोस्टल सेविंग के रूप में 13 लाख 52 हजार रुपए लगाए हैं। उनके पास 24 लाख रुपए की ज्वैलरी है। अन्य संपत्तियों से 4 लाख रुपए हैं। इस तरह बैंकों में उनके अकाउंट्स में कुल 9 करोड़ रुपए से अधिक की राशि है।

मध्यप्रदेश का मुखिया बनने पर उज्जैन में जश्न का माहौल

उज्जैन। उज्जैन दक्षिण विधानसभा सीट से विधायक मोहन यादव मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री होंगे। डॉ यादव के नाम की घोषणा से ही उज्जैन में जश्न का माहौल हो गया। डॉ यादव के घर पर बधाई देने वालों का ताँता लग गया, वहीं टावर चौक सहित शहर के कई इलाकों में समर्थकों एवं नगरवासियों द्वारा द्वारा जमकर आतिशबाज़ी की गई। चुनाव के दरमियाँ डॉक्टर यादव ने कहा था कि उज्जैन में हर बार सिंहस्थ में भाजपा की ही सरकार रहती है और इसलिए उज्जैन में 2028 में होने वाले सिंहस्थ में भी भाजपा की ही सरकार रहेगी।

यादव ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से अपने राजनीति करियर की शुरुआत की। यादव विद्यार्थी परिषद में कई पदों पर रहे हैं। छात्र राजनीति की शुरुआत करने वाले यादव को 1986 में विभाग प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई।

डॉ मोहन यादव 2013 में पहली बार उज्जैन दक्षिण सीट से विधायक चुने गए थे। इसके बाद 2018 और 2023 का चुनाव भी जीते। 2 जुलाई 2020 को उन्हें शिवराज कैबिनेट में उच्च शिक्षा मंत्री बनाया गया। 1965 में उज्जैन में पूनमचंद यादव के घर जन्मे मोहन यादव एमए, पीएचडी हैं। उनकी शादी सीमा यादव से हुई है। दो बेटे और एक बेटी हैं।

मुख्यमंत्री के रूप में अपने नाम की घोषणा के बाद मोहन यादव ने कहा- मैं पार्टी का एक छोटा सा कार्यकर्ता हूं। प्यार और सहयोग के लिए पार्टी की राज्य और केंद्रीय कार्यकारिणी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा मैं अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से निभाऊंगा।

वहीं, उनकी पत्नी सीमा यादव ने कहा- मेहनत का फल अच्छा होता है। हमारी खुशी का ठिकाना नहीं है। भगवान महाकाल ने मेहनत का फल दिया है।

डॉ मोहन यादव को 2003 में बड़नगर से चुनाव के लिए नाम भी घोषित कर दिया गया था लेकिन स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध के कारण संगठन की बात मान कर टिकिट वापस लौटा दिया था। 2013 में उन्हें उज्जैन दक्षिण सीट से टिकट मिला और वे चुनाव जीत गए। तब से लगातार इसी सीट से जीत रहे हैं। इस बार तीसरी बार विधायक चुने गए हैं।

चुनाव जिताने से सरकार बनाने तक विष्णुदत्त ने निभाई कुशल संगठक की भूमिका

भोपाल। प्रदेश में भाजपा की बड़ी जीत से लेकर मुख्यमंत्री के चयन तक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा की बड़ी भूमिका रही। हर बूथ पर 51 प्रतिशत मत पाने के लिए वह एक कुशल संगठक के रूप में जुटे तो केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के बीच अच्छे समन्वयक की भूमिका निभाई।

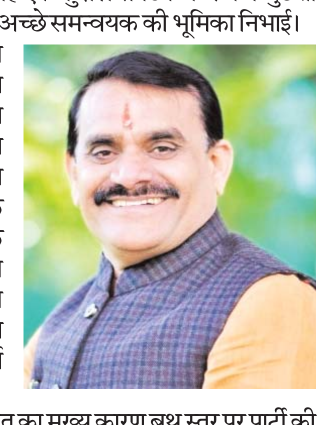

मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाने में भी विष्णु दत्त की अहम भूमिका मानी जा रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में दोनों ने साथ काम किया है। दोनों के बीच बहुत अच्छे रिश्ते हैं। विधायक दल का नेता घोषित किए जाने के बाद मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व और कुशल संगठक के रूप में विष्णु दत्त शर्मा की प्रशंसा की।

प्रदेश में भाजपा की प्रचंड जीत का मुख्य कारण बूथ स्तर पर पार्टी की मजबूती के लिए किया गया काम है। केंद्रीय नेतृत्व ने यह दायित्व प्रदेश संगठन को दिया। प्रदेश अध्यक्ष के नाते विष्णु दत्त ने सभी मोर्चा और प्रकोष्ठों को इस काम में लगाया। %मेरा बूथ, सबसे मजबूत% अभियान चलाया गया। महासंपर्क अभियान में केंद्र व प्रदेश भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जनता को बताकर उन्हें अपने पक्ष में करने की कोशिश की गई। परिणाम यह रहा कि भाजपा ने विधानसभा की 230 में 163 सीटें जीतने के साथ ही 101 सीटों पर 50 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त किए।

मध्य प्रदेश के 36 हजार सरकारी स्कूलों में बिजली नहीं, कैसे चलेंगी स्मार्ट कक्षाएं

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट क्लास रूम और कंप्यूटर शिक्षा को अनिवार्य किया गया है, लेकिन ज्यादातर स्कूलों में सिर्फ खानापूर्ति हो रही है। प्रदेश के एक लाख 22 हजार सरकारी स्कूलों में से 36 हजार में बिजली ही नहीं है, ऐसे में स्मार्ट क्लास संचालित करना नामुमकिन है। 1200 स्कूलों में तो सिर्फ नाम के लिए स्मार्ट क्लास शुरू किए गए हैं। यहां तीन साल में कोई सुधार नहीं हुआ है।

यही नहीं, कई स्कूलों की हालत तो इतनी खराब है कि वहां पढ़ाने के लिए ब्लैक बोर्ड तक नहीं है। राजधानी के एमएलबी बरखेड़ा, शासकीय उमावि बागसेवनिया, संजय गांधी शासकीय माध्यमिक शाला के अलावा बरखेड़ा पठानी स्थित शासकीय हाईस्कूल, माचना कालोनी स्थित राजीव गांधी शासकीय हाईस्कूल सहित कई अन्य स्कूलों में ब्लैक बोर्ड भी सही हालत में नहीं है। स्मार्ट क्लास तो इन स्कूलों में है ही नहीं।

स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं तक नहीं- प्रदेश में स्कूल शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए हर वर्ष करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, बावजूद इसके अभी भी हजारों स्कूल बुनियादी सुविधाओं से दूर हैं। हालात यह हैं कि कई स्कूलों में बिजली, पानी और शौचालयों तक की व्यवस्था नहीं है। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि स्कूलों में ब्लैक बोर्ड सुधारने की जिम्मेदारी प्राचार्यों की है। मूलभूत सुविधाओं के लिए उन्हें शाला निधि दी जाती है। प्राचार्यों का कहना है कि जनसहयोग से वे स्कूलों को स्मार्ट बना रहे हैं।

भोपाल जिले के सिर्फ 16 स्कूलों में स्मार्ट क्लास- भोपाल जिले के 500 सरकारी स्कूलों में बिजली की व्यवस्था नहीं है। वहीं 133 हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों में से सिर्फ 16 स्कूलों में स्मार्ट क्लास तैयार किए गए हैं। वह भी सिर्फ नाम के हैं, क्योंकि इसके जरिए पढ़ाई नहीं कराई जाती है।

छगः विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री पद की लेंगे शपथ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज के दिग्गज नेता विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के चौथे मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण कार्यक्रम 13 दिसंबर को होगा। राजधानी रायपुर स्थित साइंस कॉलेज मैदान में शपथ ग्रहण समारोह होगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, कई राज्य के मुख्यमंत्री समेत कई दिग्गज नेता शामिल हो सकते हैं। इसके लिए तैयारी जोरों पर है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री के साथ ही दो

डिप्टी सीएम समेत मंत्रिमंडल भी शपथ ले सकता है। मंत्रिमंडल को लेकर मंथन चल रहा है। इसका इंतजार प्रदेश की जनता को भी है, हालांकि मंत्रिमंडल के सदस्यों को लेकर मंथन जारी है। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नबीन समेत दूसरे राज्यों मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे।

शपथ समारोह के लिए तैयार हो रहा लाल परेड मैदान।

उत्तर से सर्द हवाओं का मप्र की ओर में रुख, सर्दी बढ़ी

भोपाल। उत्तर से आ रही सर्द हवाओं ने मध्यप्रदेश में ठंड का असर बढ़ा दिया है। भोपाल, नर्मदापुरम समेत कई जिलों में मंगलवार सुबह कड़ाके की ठंड रही। पचमढ़ी, ग्वालियर और राजगढ़ सबसे ठंडे हैं। यहां दिन के साथ रात के टेम्प्रेचर में भी गिरावट हुई है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें, तो बादल छंटने और वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव नहीं होने से मौसम ऐसा है। अगले 2-3 दिन तक ऐसी ही ठंड पड़ेगी।

मौसम केंद्र के अनुसार आसपास नया सिस्टम नहीं है। बादल छंट गए हैं और नमी घटी है। वहीं, उत्तर पश्चिम से सर्द हवा आ रही है। इस कारण प्रदेश में सर्दी का असर बढ़ा है। प्रदेश में राजगढ़ सबसे ठंडा रहा। यहां रात में न्यूनतम पारा 7.6 डिग्री तक पहुंच गया। पचमढ़ी में यह 8.8 डिग्री रहा। रीवा में 10.5, उमरिया में 10.6 तो गुना में रात का टेम्प्रेचर 10.8 रहा। बाकी जगह पारा इससे ऊपर ही रहा। सबसे ज्यादा रात का टेम्प्रेचर 15.6 नर्मदापुरम में दर्ज हुआ।

कम अधिकतम तापमान पचमढ़ी और बालाघाट के मलाजखंड में 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। राजधानी भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और छिंदवाड़ा में भी तापमान तेजी से गिरा है। सोमवार को कई जिलों में घना कोहरा छाया रहा।

दतिया, भिंड, मुरैना, ग्वालियर, सिंगरौली और सीधी में देर सुबह तक कोहरा दिखाई दिया। वहीं, शहडोल संभाग के जिलों के अलावा नर्मदापुरम, हरदा, रायसेन, रीवा, कटनी, शिवपुरी, अशोकनगर, गुना, जबलपुर, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में भी धुंध छाई रही।

प्रमुख जिलों की न्यूनतम तापमान की बात करें तो भोपाल में तापमान तेजी से गिरकर 12 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। इसी तरह, ग्वालियर में 9.8, इंदौर में 14.6, बैतूल में 12 और छिंदवाड़ा में 11.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। अधिकतम तापमान की बात करें तो रविवार को भोपाल में 26.6, ग्वालियर में 26.6, इंदौर में 27, बैतूल में 25.5, छिंदवाड़ा में 25.4, जबलपुर में 26.3 और मंडला में 27.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ।